54 Years In the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

August, 2017 No. 08 Vol XXXXXIVIII

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,120 शकसंवत् 1939

श्रावन-भाद्रपद 2074 दयानन्दाब्द 194 कलि संवत् 5119

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 59000

National President

SITARAM PAREEK

MOB.: 09322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

OM PRAKASH KANOONGO

MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary

SURESH JAIN

MOB : 09974399944 (DELHI)

Sub-Editor

MANOJ AWASHTI

MOB : 09953495747 (GHAZIABAD)

नीति समाचार के लिए केवल -niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by Ajay Dutta for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''व्यवस्था मस्तिष्क की पवित्रता है, शरीर का स्वास्थ्य है, शहर की शान्ति है, देश की सुरक्षा है। जो संबंध धरन (बीम) का घर से है, हड्डी का शरीर से वही संबंध व्यवस्था का सब चीजों से है।''

CONTENTS

1. सम्पादकीय/National Events 2017-18 4
2. संगठन के झरोखे से 5
3. केन्द्रीय कार्यालय में रक्तदान महाअभियान का उद्घाटन 6
4. देहदान-नेत्रदान 7
5. स्वाथ्य 8
6. प्रान्तीय कार्यशाला 10
7. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 13
8. Milestones---- BVP लुधियाना ट्रस्ट 17
9. बुलेट समाचार 20
10. आओ कुछ हंस लें..... 21
11. विविध गतिविधियाँ 24
12. श्रद्धांजलि 34

विशेष :

1. सम्पर्क-प्रथम सूत्र, श्री श्याम शर्मा (कोटा) पृष्ठ संख्या-11
2. राष्ट्रीय खेल दिवस, श्री मनोज अवस्थी, सह-सम्पादक (नीति) पृष्ठ संख्या- 19
3. एकात्म मानवता के प्रणेता-दीनदयाल उपाध्याय, श्री महेश चन्द्र शर्मा (दिल्ली) पृष्ठ संख्या- 22
4. बड़ा सोचो, ज़रा हट के सोचो, साभार संकलन, पृष्ट संख्या-32

अगस्त मास के पर्व

01 : बाल गंगाधर तिलक पुण्य तिथि,
07 : रक्षाबंधन, संस्कृत दिवस,
09 : भारत छोड़ो आन्दोलन,
15 : स्वतंत्रता दिवस, श्री कृष्ण जन्माष्टमी
21 : सूर्य ग्रहण, 21 : विनायक चतुर्थी, गणेश चतुर्थी,

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com, niti@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

स्वतंत्रता दिवस एक बार फिर भारत के देश भक्त नागरिकों के लिए सौभाग्य और उत्साह के क्षण लेकर प्रस्तुत है। वैश्विक स्तर पर नये अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का आतिथेय और गरमजोशी से स्वागत अनके महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होने से भारत की धाक बढ़ी। भारत का कोई प्रधानमंत्री पहली बार इजरायल यात्रा पर गया। इजरायल ने भारत को एक सच्चा दोस्त कहा। आतंकवाद से निपटने में इजराइल की रणनीति संसार में अजेय मानी जाती है। संसार में समुद्री पानी को पीने लायक बनाने वाले दो सयंत्रों में से एक इजरायल में है। कृषि, वैज्ञानिकी, रक्षा उपकरण, शिक्षा आदि में इजरायल का सहयोग प्राप्त होगा।

वैश्विक पर्दे पर ब्रिक्स सम्मेलन में भारत चीन के प्रतिनिधियों की बातचीत औपचारिक ही रही। डोकला में भारत सिक्किम और चीन की सीमा पर सैनिक हलचल चिन्ता का विषय है। लेकिन समुद्री क्षेत्र में भारत जापान और अमेरिका का सामूहिक युद्धाभ्यास हिन्द महासागर में अमेरिकी युद्धपातों की हलचल भारत के मजबूत पक्ष के प्रमाण है। भारत और चीन की नोक झोक 1962 ओर 2017 के भारत और चीन के शब्दवाण कब धरातल पर साकार रूप लेंगे, कहा नहीं जा सकता। उत्तर कोरिया के तानाशाह परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे हैं।

इन वैश्विक झंझावतों में भारत को यदि मजबूत और निर्णायक भूमिका निभानी है तो एक वैश्विक राष्ट्रों से प्राप्त समर्थन हमारी मजबूती का आधार बनेगा। साथ ही भारत को एक बड़े बाजार के रूप में चीनी वस्तुओं के उपयोग पर भी नियंत्रण करना होगा। कश्मीर में आतंकवादियों को अन्तर्राष्ट्रीय फंडिंग रोक कर, बृहद सर्च ऑपरेशन, ऑपरेशन आल आउट ने कश्मीर से आतंकवाद समाप्त होने की दिशा में निर्णायक कदम उठा लिया है। केरल में हिंसा, किसानों का आन्दोलन कुछ धीमा हो रहा था तब तक बंगाल के वशीरहाट में हिंसा के तांडव ने ममता के मुस्लिम तुष्टीकरण ने, बंगाल में हिन्दुओं के अस्तित्व पर एक बार फिर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। दार्जिलिंग का आन्दोलन बंगाल सरकार के गले की हड्डी बन गया है।

कहा नहीं जा सकता वैश्विक कूटनीति, राष्ट्रों के साम्राज्यवादी मनसूबों की आग कब एक विकराल रूप ले ले। समाधान यह है कि भारत सामरिक और आर्थिक दृष्टि से मजबूत है। देशभक्त नागरिक जब जैसा समय आयेगा देश के लिए भरपूर समर्पण करने को तैयार दिखाई पड़ेगे। सतर्क रहे, जागते रहे। आखिर मानव जाति कल्याण का तानाबाना बुनने का दायित्व भी ईश्वर ने भारत को ही दिया है।

स्वतंत्रता दिवस महान् योगी महर्षि अरविन्द का जन्म दिन भी है। वे अखण्ड भारत को भारत माता के रूप में मानते थे। उनके क्रांतिकारी जीवन के प्रसंगों को स्मरण करने का समय है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर कृष्ण जन्म अष्टमी का संयोग भी प्रस्तुत है। रक्तदान महाअभियान की आंधी ने परिषद् को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में सफलता पाई है। आप सबके प्रयत्नों का ही सामूहिक परिणाम है, यह सफलता के आयाम। यूट्यूब पर Blood Donation BVP की डॉक्यूमेंट्री, www.bvpbloodhelpline.org पर रक्तदाताओं का पंजीकरण भी प्रारंभ हो चुका है।

NATIONAL EVENTS/PROGRAMMEEVENTS OF THE PARISHAD TO BE HELD DURING 2017-18

S.N.	Events/Programme	Place	Date & Month
1.	All India National Group-Song Competition	New Delhi (Delhi South)	10th December, 2017
2.	National Level Bharat Ko Jano Competition	Mumbai (Mumbai Prant)	07th January, 2018
3.	National Council Meeting	Agra (Braj Pradesh)	24-25th,February, 2018

- **Ajay Dutta**, National Secretary General

जब नीति का अगस्त अंक आपको प्राप्त होगा तब तक सभी प्रान्तों के द्वारा शाखाओं की संख्या/रक्तदान शिविरों की संख्या/रक्तदान यूनिट की जानकारी केन्द्रीय कार्यालय में प्राप्त हो चुकी होगी। केन्द्रीय निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में रक्तदान बैंकों की प्राथमिकता में सेना ब्लड बैंक, सरकारी ब्लड बैंक और रेडक्रॉस संचालित ब्लड बैंको को ही प्राथमिकता दें।

रक्तदान शिविर का दूसरा चक्र स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अथवा रक्षा बन्धन या 21 अगस्त के पश्चात आयोजित करना है। यह प्रयत्न करना अपेक्षित है कि छूटी हुई शाखाओं को दूसरे चक्र में अवश्य सम्मिलित किया जाए। महाविद्यालय, तकनीकी प्रबन्धन संस्थान रक्तदाताओं के संभावित केन्द्र होते हैं। सूची बनाकर शाखाओं द्वारा ऐसे संस्थानों में जागरूकता अभियान के कार्यक्रम लेने चाहिए। यदि अनुकूलता रहे तो संस्थानों में ही रक्तदान शिविर का आयोजन करें। रक्तदाता पंजीकरण का फार्म सभी प्रान्तों को भेजा गया है, उसे प्राप्त कर लें। आपको ज्ञात है कि इस अभियान के लिए अलग से तंत्र विकसित नहीं किया गया हैं अतः समस्त केन्द्रीय, रीजनल, प्रान्तीय तथा शाखा पदाधिकारियों को इस आयोजन की सफलता के लिए योगदान करना है। - **डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता।**

MESSAGE FROM NATIONAL SECRETARY GENERAL

Shri AjayDutta National Secretary General extended his good wishes for the inauguration of Blood Donation Drive launching on 09th July 2017 at the Central Office of BVP by the gracious presence of Shri Arjun ram Meghwal State Minister of finance, Govt. of India.

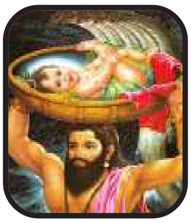

जन्माष्टमी

जन्माष्टमी पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिन के रूप में सम्पूर्ण विश्व में आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। ब्रज के नटखट कन्हैया, यशोदा के लाल युगों युगों से आस्था के केन्द्र रहे हैं। भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष अष्टमी को यह त्यौहार मनाया जाता है।

प्रचलित कथानुसार, कृष्ण, बासुदेव व देवकी के 8वें पुत्र थे। मथुरा नरेश कंस अत्यंत अत्याचारी था। एक दिन आकाशवाणी हुई कि कंस की बहन देवकी का 8वाँ पुत्र कंस का वध करेगा। कंस ने बहन देवकी व वासुदेव को काल कोठरी में डाल उनके नवजात पुत्रों को एक-एक कर मार डाला। जब 8वें पुत्र 'कृष्ण' का जन्म हुआ तब भगवान विष्णु के आदेशानुसार वासुदेव कृष्ण को गोकुल में नंदबाबा व यशोदा माता के पास पहुँचा आए जिससे वह देव स्वरूप बालक अपने कंस मामा से सुरक्षित रह सके। तभी से प्रतिवर्ष भाद्रपद की कृष्ण अष्टमी रात्रि 12 बजे कृष्ण-जन्मोत्सव मनाया जाता है। मंदिरों में घण्टा ध्वनि के साथ 'नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की' उद्घोष, पुष्प वर्षा, शंखनाद से कृष्ण जन्म की झलकियाँ प्रस्तुत की जाती हैं। - **नीति डेस्क**

Success Stories: The only mission to achieve a selection IAS**.** And Mrs. Revati of Karnatak was declared selected in IAS 2016. Her parents are earning livelihood through daily labourer. In these adverse circumstances Revati became a role model for many such aspirants.

केन्द्रीय कार्यालय में रक्तदान महाअभियान का उद्घाटन

स्थापना दिवस पर रक्तदान महाअभ्यिान का आगाज कुछ इस अंदाज में होगा इसका अनुमान शायद योजनाकारों को भी नहीं था। गुरु पूर्णिमा (9 जुलाई, 2017) की सुबह जब सूर्योदय हो रहा था तब केन्द्रीय कार्यालय में महाअभियान का आलम कुछ निराला ही था। बड़े होर्डिंग, सूचना पटल, गुब्बारों के समूह, फूलमालाओं की लम्बी कतारें। रक्तदाताओं के लिए खाने की तैयारी, सभी अपनी व्यवस्थाओं में जुटे थे। मीडिया सेल ने फेसबुक, व्हाट्सप्प पर प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को प्रेस नोट भेजा। रक्तदाताओं को मोबाइल पर मैसेज, फोन कॉल, रक्तदाताओं का निमंत्रण। सभागार में वेबसाइट के उद्घाटन की तैयारी रक्तदान डॉक्यूमेंट्री का दृश्यावलोकन सभी कुछ व्यस्थित हो गया। आर्मी ब्लड बैंक और जी.टी.बी अस्पताल की मेडिकल टीमों ने रक्तदान की व्यवस्था संभाली। इसके अतिरिक्त दन्त और समान्य चिकित्सा के काउण्टर लगाये गये। रक्तदाता आने लगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक जी ने रक्तदान कर अभियान शुरू किया। 111 यूनिट रक्तदान हुआ। 188 लोगों का परीक्षण किया गया।

मुख्य अतिथि श्री अर्जुनराम मेघवाल, वित्त राज्यमंत्री ने सभागार में परिषद् की प्रगतिगाथा की डॉक्यूमेंट्री का अवलोकन किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन ने सामाजिक बुराईयों और समस्याओं को दूर करने में परिषद् की भूमिका के बारे में बताया। मुख्य अतिथि ने www.bvpbloodhelpline.org वेबसाइट का उद्घाटन किया। उन्होंने भारत के आर्थिक विकास के सपने को स्वामी विवेकानन्द के 1897 में इंगलैंड में दिये गये संदेश को जोड़ते हुए कहा कि 19वीं शताब्दी इंगलैंड की, 20वीं शताब्दी अमेरिका की और 21वीं शताब्दी एशिया और मुख्यत: भारत की शताब्दी होगी। दिल्ली मध्य, दिल्ली उत्तर प्रान्त के पदाधिकारी श्री भूपेन्द्र मोहन भण्डारी, नरेन्द्र सिंघल, सुभाष चन्द्र मनोचा, सुभाष गुप्ता, बी.बी. दीवान, कविता अग्रवाल, रमेश राठी, रश्मी गोयला, ऋतु शर्मा के साथ राष्ट्रीय मंत्री निधीश गुप्ता, अशोक आजाद, संजीव मिगलानी, मुकेश गुप्ता जी ने व्यवस्था संभाली। श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा ने आभार किया।

चलते चलते .... नीति का यह अंक रक्तदान की समग्र आख्या का अंक नहीं है। फिर भी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ–फरीदाबाद में बड़ा रक्तदान शिविर सम्पन्न हुआ जिसमें राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री विनीत गर्ग ने रक्तदान किया। हिसार, कैथल में भी शिविर लगाया गया। नीमच, में सीआरपीएफ के ग्रुप कमाण्डर श्री राजीव रंजन ने रक्तदान किया। चरखी दादरी, शिवपुरी, रुद्रपुर, एलनाबाद, पुष्कर, किशनगढ़, आगरा, गायत्री बारवाला, जीन्द, झाँसी, मुरादाबाद, पंचकुला, मानसा, मलेरकोटला, जावद, चुरू, गंगापुरी सिटी, दिल्ली में प्रशांत विहार, अलकनंदा, सापला, लालसोटा, बाड़ी, सवाई माधोपुर। बुन्देलखण्ड के महासचिव अजय इटोरिया अनुराधा गुर्जर ने झाँसी मेडिकल टीम की उपस्थिति में रक्तदान किया। लोसल, आइजोल, डिब्रूगढ़, की प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों आदि शिविरों से 2500 यूनिट रक्त दान की सूचना है। गन्नौर में 185 यूनिट रक्तदान हुआ। कोटकपुरा में रक्तदाताओं को 6 मोबाइल फोन दिये गये। गोवा प्रान्त के महासचिव यदुचन्द्र नायक ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर कथा वाचक श्री अजयभाई, पावर कॉरपरोशन के चेयरमैन राजीव शर्मा तथा उमेश कपूर, आर्मी फोरसेज ट्रांसफुजन केन्द्र (आर्मी हॉस्पिटल) को सम्मानित किया गया। **–नीति डेस्क**

रक्षा बन्धन

रक्षा बंधन भाई बहन के प्रेम का प्रतीक त्यौहार है। यह भारत की गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक त्यौहार भी है। रक्षा बंधन का त्यौहार श्रावण मास में मनाया जाता है जब ऋषि गण आश्रम में रहकर अध्ययन व यज्ञ करते थे तथा पूर्णमासी को पूर्णाहुति देते थे। तदुपरान्त यजमानों व शिष्यों को 'रक्षा सूत्र' बांध ने की प्रथा प्रचलित हुई थी कि जिस 'रक्षा सूत्र' अर्थात् राखी से अति बलवान राक्षसराज बली को बाँधा था, मैं तुम्हें बाँधता हूँ।

आजकल राखी मुख्य रूप से भाई बहन का त्यौहार है। जिसमें बहन भाई की कलाई पर राखी बाँध, तिलक लगा, भाई की दीर्घ आयु व अपनी सुरक्षा की कामना करती है। विभिन्न प्रकार की रंग बिरंगी राखियाँ तथा मिठाई की खरीदारी से बाजार सज जाते हैं और रौनक बढ़ जाती है। **-नीति डेस्क**

देहदान व नेत्रदान

कटनी (विन्ध्य) शाखा संस्थापक राकेश जी एवं मुकेश जी की माता जी एवं शाखा अध्यक्ष विमला अग्रवाल की सासु माँ श्रीमती विमला देवी का मरणोंपरान्त प्रदीप जैन एवं सिंघई राहुल जैन के प्रेरणा से नेत्रदान करवाया गया।

पाटन (गुजरात उत्तर) शाखा सदस्य जय प्रकाश टेलर का मरणोंपरान्त उनकी पतनी और पुत्रों की इच्छा से शाइन इंडिया के डॉ. कुलवन्त गौर और टिंकुजी के सहयोग से नेत्रदान करवाया गया।

बड़ौत (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) शाखा सदस्य श्री श्रीनिवास जैन (82) का मरणोंपरान्त सुभारती मेडिकल कॉलेज के सहयोग से नेत्रदान करवाया गया।

मदनगंज किशनगढ़ (राजस्थान मध्य) शाखा सदस्य श्री सुरेन्द्र महनौत के सुपुत्र शशांक का दुर्घटना में निधन उपरान्त, परिवारजनों की स्वीकृति के बाद जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय के सहयोग से नेत्रदान करवाया गया।

जोधपुर (राजस्थान पश्चिम) मंडोर मंडी के वरिष्ठ दलाल मीठालाल टेलर का मरणोंपरान्त उनके परिवार सदस्यों की सहमति से ट्रोमा सेन्टर के सहयोग डॉ. निर्मला एवं उनकी टीम द्वारा नेत्रदान करवाया गया।

सरहिन्द (पंजाब पूर्व) शाखा सदस्य श्री वरुण बंसल की ताई श्रीमती किरन बंसल का मरणोंपरान्त पी.जी.आई. चण्डीगढ़ को नेत्रदान करवाया गया।

विवेकानन्द-लुधियाना, पंजाब पश्चिम : शाखा द्वारा आयोजित दिव्यांग शिविर में 30 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग - टांग, बाजू, ट्राइसिकल आदि दिये गये। दांत तथा आँख रोग के लिए 1200 बच्चों तथा 150 अध्यापकों का परीक्षण किया गया। बाल विद्या मंदिर, शिवम पब्लिक स्कूल में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन सम्पन्न हुआ। उद्योगपति सतीश बंसल ने निर्धन छात्रों को आर्थिक सहयोग देने का संकल्प लिया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं पर शाखा द्वारा 1.5 लाख रुपये खर्च किये गये।

लुधियाना ट्रस्ट : दिव्यांग ट्रस्ट के अन्तर्गत लुधियाना, अलावतपुर, डेराबस्सी, चण्डीगढ़, शिवाजी लुधियाना, सारो, मलेरकोटला, मुकेरियाँ, अजलाना, पंडोरी, जस्सी माजरा, सुखदेव को 618 कृत्रिम अंग, कैलीपर, व्हील चेयर, हियरिंग एड दिये गये। पोलियो सरजरी के 22 ऑपरेशन भी किये गये। पाली क्लीनिक पर 1341 मरीजों का उपचार किया गया।

कैथल, हरियाणा उत्तर : शाखा द्वारा क्योडक के शिव मंदिर पर विशाल मेडिकल कैम्प सम्पन्न हुआ। शिविर में इसीजी, शुगर टेस्ट, हेपेटाइटिस टेस्ट फ्री किये गये। 1200 मरीजों का परीक्षण हुआ। 12 वरिष्ठ डॉक्टरों ने सेवाएँ प्रदान की।

अम्बाला नगर : निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, मैक्स हास्पिटल मोहाली के सहयोग से परिषद् भवन में लगाया गया। 294 मरीजों की जांच हडडियों, स्त्रीरोग, दवाईयाँ, सामान्य टेस्ट इत्यादि भी किए गए। नगर शाखा के 35 सदस्यों ने सहयोग किया। बी.एम.डी, एक्सरे, शुगर सहित अनेक ब्लउ टेस्ट किए गए।

गन्नौर, हरियाणा दक्षिण : शाखा द्वारा तीन दिवसीय योग शिविर का समापन हुआ। योग शिक्षका श्रीमती कृष्णा जी, यशपाल, मंजू पहल, पिंकी त्यागी ने योग का अभ्यास कराया। एस.डी.एम. सुरेन्द्र दून जी ने योग शिविर के लिए परिषद् की प्रशंसा कीं इस अवसर पर 120 मरीजों की शुगर जांच डॉ. मनोज राय की टीम के द्वारा की गई। सभी योग साधकों को तुलसी के पौधे भेंट किये गये।

फतेहाबाद, हरियाणा पश्चिम : स्थायी भवन आंगवां में शाखा द्वारा रक्तदान शिविर सम्पन्न हुआ। श्री देवीलाल सिंहांग मुख्य अतिथि थे। राकेश मखीजा अध्यक्ष ने रक्त दाताओं का स्वागत कियां नगर पार्षद मनोज नागर ने 46वीं बार रक्तदान किया। श्री मरुण गोरा ने रक्तदाताओं को जलपान कराया।

दामोह, महाकौशल : दामोह जिले की सात शाखाओं के सदस्य और पदाधिकारी सरकारी अस्पताल पहुँचकर किशोर अग्रवाल, (प्रदेश संगठन मंत्री), प्रेमनारायण पटेल, नंद कुमार, सुरेन्द्र, अवधेश विनोद, विजय ,राधिका प्रसाद पटेल सभी जिला तहसील अधकारी रक्तदान में सम्मिलित हुए। बधाई।

नीमच, मध्य भारत पश्चिम : आनन्द मंगल भवन में नीमच शाखा का रक्तदान शिविर सी.आर.पी.एफ के ग्रुप कमाण्डर डॉ. राजीव रंजन के रक्तदान से हुआ। डॉ. मनीश चमडिया ने रक्तदान का महत्व समझाया। ब्लडग्रुप, रक्तचाप, शुगर की जांच की गई। सूबेदार मेजर प्रशांत कावले, रेडक्रॉस के सत्येन्द्र राठौर की टीम ने सहयोग कियां महिला प्रकोष्ठ की मीना, ममता, सुनीता, अनामिका, सरिता, मीनू ने भी रक्तदान किया।

बाड़मेर, राजस्थान पश्चिम : शाखा द्वारा संचालित लैब में मई माह में 2881 रोगियों को न्यूनतम दरों पर परीक्षण सुविधा दी गई। नेत्र चिकित्सा शिविर में 391 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया। 27 रोगी मोतियाबिन्द, 42 रोगी काला पानी का इलाज किया गया। औषधि तथा चश्में बांटे गये।

भीनमाल : शाखा ने कृष्णा हॉस्पिटल के तत्वावधान में नेत्र रोग जांच शिविर का आयोजन किया। डॉ. मनीष अग्रवाल ने वंचित वर्ग के लोगों की नि:शुल्क जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवा वितरित की। सॉवल राम देवसी, न०प० अध्यक्ष ने परिषद्

के इस कार्य की सराहना कीं कुल 13 लोगों ने इस शिविर का लाभ लिया।

भामाशाह-उदयपुर, राजस्थान दक्षिण : शाखा द्वारा नि:शुल्क दन्त जांच शिविर का आयोजन शहर के अनेक स्कूलों में किया गया। डॉ. अंकिता गुप्ता द्वारा नि:शुल्क जांच की गई। दन्त महाविद्यालय के स० प्राध्यापक डॉ. रजत वार्ष्णेय द्वारा दन्त सुरक्षा के बारे में बच्चों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर इं. येवन्ती कुमार बोलिया, यशवंत सोमानी, कृष्णकान्त शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अविरलगंगा-रुड़की, उत्तराखण्ड पश्चिम : ग्राम बेडपुर स्थिति इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़ में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मेट्रो हास्पिटल हरिद्वार के सहयोग से सम्पन्न हुआ जिसमें उन्होंने स्त्रीरोग विशेषज्ञ, हृदय रोग, जनरल फिजीशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ ने निशुल्क सेवाएँ दी। इस निशुल्क शिविर का सीधा लाभ ग्रामीण अंचल के लगभग 200 निवासियों को प्राप्त हुआ। शिव गुप्ता, वरिष्ठ शाखा सदस्य की तरफ से निशुलक दवाई वितरण किया गया।

क्रांसिंग रिपब्लिक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : नेत्र शिविर का आयोजन दिल्ली भारत फाउण्डेशन के सौजन्य से किया गया। यह कार्यक्रम 'किडजी प्लेवेल' स्कूल के प्रांगण में श्याम शर्मा, वरिष्ठ सदस्य भारत विकास परिषद् सिकन्दराबाद शाखा की प्रेरणा व सहयोग से नवगठित क्रांसिंग रिपब्लिक शाखा ने किया। ग्रामीण क्षेत्र कुल 75 व्यक्तियों ने शिविर का लाभ लिया। 3 लोगों को नोएडा आईकेयर में मुफ्त ऑपरेशन कर नई ज्योति प्रदान की गई। कवित बंसल, संदीप मेहरा क्षितिज गोयल पायल त्रिपाठी आदि प्रमुख रहे।

गुलावठी : शाखा द्वारा 7.7.17 को रोटरी इंटरनेशनल ब्लड बैंक के सहयोग से महाराजा अग्रसेन धर्मशाला में आयोजित रक्तदान शिविर में 79 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान के बारे में स्थानीय लोगों को जागरूक किया गया। शुभम सिंघल, हिमांशु गोयल, अमित अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष व पुनीत गर्ग, सचिव का विशेष योगदान रहा।

GUIDELINES FOR ONLINE BHARAT KO JANO COMPETITIONS:

Online Bharat Ko Jano Competition has been introduced by Bharat Vikas Parishad with the help of Talent Hunt Software provided by PAXCEL LABS, Mohali, on all India basis. It is open for all individuals between the age group of 18-35 years who had passed XII from any board in India or abroad.

Online competition, based on general knowledge about Bharat (For reference read Bharat Ko Jano Book published by Bharat Vikas Parishad) will be held during the second half of Oct. 2017 in various slots of one hour each at the venues fixed by the BVP branches.

To participate visit bvpindia.com or bkj.bvpindia.com , read instructions and click to register yourself in the format given at link for Online Bharat Ko Jano in the website through branch of Bharat Vikas Parishad in your city or in nearby city.

Fee of Rs. 50 is chargeable by the BVP branch from participants.

Link for the test will be given in the e-mail. User has to click on the URL and fill the information and create password for his account as prompted. Once successful logged into the system, user will see the view contest it will be activated only at specified time slot allotted to participate.

The competition will consist of 60 multiple choice questions in GK based of Bharat for which time allowed will be 15 minutes only. Each correct answer will be awarded two marks and for every wrong answer their will be negative marking of one mark but unattempt will earn zero marks.

Top seven competitors at the most one from a prants of BVP will be invited to participate in all India Bharat Ko Jano competition at Mumbai on 7th January 2018, Sunday. Top three winners will be given cash prizes of Rs. 30,000/-, Rs. 20,000/- and Rs. 10,000 /- respectively.

If there is any sort of query regarding online competition you may contact any one of the following persons: **Mail your query to: bkj.online@bvpindia.com**

प्रान्तीय कार्यशाला

गोवा : गोवा के राजीव गाँधी कला मंदिर कॉन्फ्रेंस हाल में प्रान्त की 6 शाखाओं की कार्यशाला डॉ. पुन्डालिक कोकड़े की अध्यक्षता एवं श्रीमती मंगला माधव सवादीकर, राष्ट्रीय मंत्री के सानिध्य में प्रारंभ हुई। कुल 32 प्रतिनिधि उपस्थित थे। परिचय एवं शाखा गतिविधियों की संक्षिप्त चर्चा के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केन्द्रीय कार्यालय ने दायित्वधारियों के द्वारा प्रकल्पों की रिपोर्टिंग उचित समय तथा आख्या पत्रक भेजने का निर्देश दिया। संविधान के नियमों में हुए परिवर्तनों की चर्चा की गई। युवा वर्ग में जागरूकता के लिए बेटी बचाओ, नशा मुक्ति, सामूहिक सरल विवाह की चर्चा की गई। रक्तदान अभियान के बारे में राष्ट्रीय संकल्प का स्मरण करते हुए सभी प्रतिनिधियों ने सहयोग का आश्वासन दिया। श्रीमती मंगला सवादीकर ने संस्कार प्रकल्प के अन्तर्गत समूहगान, भारत को जानो, गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन एवं बाल संसकार शिविरों की चर्चा की। मडगाँव शाखा द्वारा प्रतिवर्ष आवासीय संस्कार शिविर का आयोजन श्रीमती श्यामला तेजस्विनी, दीप्ति और सुधा पई के सहयोग से होता हैं श्री अवधूत कामथ एकनाथ मराठे, यदुचन्द नायक, महासचिव ने सेवा प्रकल्प जन सम्पर्क और संस्कृति सप्ताह की चर्चा की श्री उदय भाटे ने धन्यवाद दिया। माप्सा और सावरेड स्थानों पर नई शाखाएँ खुलने का संकल्प हुआ। संस्कार शिविर में सभी शाखाओं को छात्रों को सम्मिलित करने पर भी विचार हुआ। 5 नवम्बर को प्रस्तावित पश्चिम रीजन के महिला सम्मेलन का स्थान शान्ता दुर्गा चामुन्देश्वरी मंदिर बडोतरा एक भव्य शान्ति पूर्ण सुविधा सम्पन्न मंदिर के परिसर में निश्चित किया गया। कृष्णपाल आगेलेने वित्त संबंधी जानकरी दी।

दूसरे दिन राजधानी पणजी में नई शाखा का शपथ ग्रहण सम्पन्न हुआ जिसमें कमलेश जी अध्यक्ष, रघुवीर महाले सचिव, शान्ता रामनायक कोषाध्यक्ष तथा ऐश्वर्या सिनोरी को महिला संयोजिका नियुक्त किया गया। राजधानी में शाखा सदस्यों की प्रभावशीलता और गुणवता से प्रभावित होकर सरस्वती प्रतिष्ठान पुस्तकालय की प्रबन्ध समिति ने परिषद् की गतिविधियों के लिए संस्थान उपलब्ध कराने की घोषणा की।

मध्य भारत पश्चिम : धार शाखा के आतिथ्य में प्रान्तीय कार्यशाला सम्पन्न हुई जिसमें प्रान्तीय अध्यक्ष रजनीश चोरड़िया ने परिषद् की स्थापना तथा निर्धनों की सहायता के लक्ष्य के बारे में जानकारी दी। अरुण डागा जी ने संविधान, संगठन व्यवस्था तथा शाखा संचालन की जानकारी दी। रमन चड्ढ़ा ने सदस्यों को जोड़कर संगठन के मजबूत करने पर बल दिया। संरक्षक अरविन्द बन्दी ने लेखा तथा बैंक एकाउण्ट के बारे में चर्चा की। महिला प्रमुख भारत ने इन्दौर के महिला सम्मेलन में भागीदारी की अपील की। संचालन महासचिव मनोज शर्मा ने किया।

Punjab South : Prantiya Karyashala of Prant was held in Fazilka. Ajay Dutta, National Secretary General presided the function. Harinder Gupta, National Secretary Finance, Shriniwas Bihani, National Secretary Organisation graced the occasion. The participants of the Karyashala exchanged their views and benefitted with guidance rendered by National functionaries Fazilka, the host branch was praised by participants.

West Bengal : Prant workshop of West Bengal was inaugurated in the presence of Dr. Balmiki Kumar and Swadesh Ranjan Goswami Add. Secy. General. 7 branches delegates participated in the workshop. Shri Sharad Singania of Delhi presented a patriotic song. Smt. Reeta Bhattacharya N.L. Singhania, G.Sugla and many others spoke on different topics. Shri Rajeeb Bilotia General Secretary conducted the workshop.

HEART TOUCHING – KALYAN SUNDERAM

Kalyan Sundram is honored by U.S. Govt. as a man of the millennium; He worked as a librarian for 30 years. Every month in his 30 year of service, he donated his entire salary to help the needy. He worked as a server in a hotel to meet his demands. Again he donated his entire pension amounts ten lakh rupees to the needy. U.S. Govt. awarded him a 30 crore Rs. Award which he again donated for the needy.

Moved by the passion, Super star Rajnikanth adopted him as his father. He still stags as bachelor. We Indians should be proud of him. Hats off Kalyan Sunderam. - **Arvind Agarwal,** Fatehgarh

सम्पर्क-प्रथम सूत्र

सम्पर्क के शाब्दिक अर्थ एवं इसके मायने से सभी कार्यकर्ता भली-भाँति परिचित हैं। इसलिए इसके भावनात्मक पहलू पर ही विचार करना उचित है। परिषद् का कार्य करने की ऊर्जा, प्रेरणा मन-मस्तिष्क में संगठन की आवश्यकता एवं उपयोगिता के बीजारोपण से प्राप्त होती हैं। जैसे प्रथम गर्भाधान माँ के जीवन की सार्थकता, जीने की उमंग एवं उत्साह परिणाम की प्रतीक्षा की ओर ले जाने में सहयोगी सिद्ध होता है। वैचारिक अधिष्ठान का बीज हमें सतत, निरंतर उत्साह एवं विजय की अभिलाषा की प्रेरणा देता हैं। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संगठित शक्ति की आवश्यकता होती है, वह केवल कुशल संगठन से ही संभव है। यह संगठन सम विचार एवं समर्पण युक्त व्यक्तियों का समुच्चय होता है। ऐसे संगठन के निर्माण के लिए योग्य, समर्पित, अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिभा बिखेरने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता होती है।

सम्पर्क - क्यों ?

हमने भारत विकास परिषद् का कार्य मनोयोग से करने का संकल्प लिया है। हम अपने कार्यों के माध्यम से समाज में रचनात्मक एवं गुणात्मक परिवर्तन लाना चाहते हैं। विविधताओं वाले इतने बड़े देश में ऐसा परिवर्तन लाने के लिए बड़े पैमाने पर काम करना होगा और इसके लिए बड़ी संख्या में कार्य करने वाले कार्यकर्ता, सहयोग करने वाले एवं शुभचिंतको की आवश्यकता होगी। इसीलिए समाज के सभी क्षेत्रों से सम्पर्क के माध्यम से अनेक लोगों को वैचारिक आधार पर, कार्यक्रमों के आधार पर जोड़ना आवश्यक होगा। परिषद् के कार्यकर्ताओं की दृष्टि कार्यक्रमों, नवाचारों एवं समाज में होने वाली घटनाओं में सदैव ऐसे व्यक्तियों की खोज करना चाहिए जो अपनी सिद्धता, प्रामाणिकता संगठन कौशल, राष्ट्रीय सोच एवं नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करते दिखें। उनमें भारत विकास परिषद् की उपयुक्तता, सहयोगी, शुभचिंतक एवं कार्यकर्ता की छवि देखनी चाहिए और बार-बार प्रगाढ़ सम्पर्क के माध्यम से सफलता के प्रयास करने चाहिऐ।

कृष्ण के बारे में कहा जाता है कि बृज की सभी किशोरियाँ कृष्ण से सात्विक प्रेम करती थी और कृष्ण का प्रभाव उनके मन मस्तिष्क पर ऐसा हो जाता था कि कई बार उन्हें सपने में, जागृत अवस्था में, पनघट पर हर समय चारों ओर कृष्ण ही कृष्ण दिखाई देते थे। तब हर सखी एक दूसरी से विचारों को सांझा करती थी और कहती थी-''सखी री जित देखूँ तित श्याम'' - क्या तुम्हें भी ऐसा ही लगता हैं तो जवाब मिलता था, हाँ। हमारे मन में भी ऐसी ही ललक होनी चाहिऐ कि समाज के हर सम्मानित, प्रतिष्ठित एवं योग्य व्यक्ति में परिषद् का कार्यकर्ता दिखे और हम तद्नुरूप प्रयत्न करना प्रारम्भ करें।

सम्पर्क किससे -

कार्यकर्ता सम्पर्क - संगठन के कार्यकर्ताओं का सम्पर्क परिषद् के कार्य में लगे सभी कार्यकर्ताओं से कार्यकर्ता के रूप में सम्पर्क होना आवश्यक है। आधिकारिक भाव दूरी बनाता है। अतः मित्रवत् भाव कार्यकर्ता को जोड़ने में, समझने में उपयोगी होता है। केन्द्र से लेकर शाखा स्तर तक हर टोली का अपने प्रत्येक सहयोगी कार्यकर्ता से जीवन्त एवं आत्मीय सम्पर्क हो तो कार्यकर्ता को निर्बाध ऊर्जा मिलेगी जो आगे कार्य की गति में तथा विस्तार में सकारात्मक परिणाम देगी। हम इतने खुल जायें कि हमारा मन स्वतः ही व्यक्तिगत, वैचारिक बातें करने लगे-इसी में से श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं का निर्माण होता है।

विशिष्ट सम्पर्क- समाज के अन्यान्य क्षेत्रों में अपनी विशिष्ठ पहचान रखने वाले व्यक्तियों से हमें सम्पर्क बनाना चाहिए। हम इन्हें विभिन्न श्रेणियों में विभक्त कर सकते हैं यथा डॉक्टर, इन्जिनियर, वकील-जज, ब्यूरो क्रेट्स, व्यापारी, उद्योग जगत, समाजसेवी आदि।

सम्पर्क कैसे करें -

* सर्वप्रथम शाखा, नगर-महानगर, जिला, प्रान्त स्तर पर योग्य एवं उपयोगी व्यक्तियों की विस्तृत सूची बनाऐं।
* इनमें से जिनसे पूर्व में सम्पर्क हुआ हो उनको प्राथमिकता दें।

* श्रेणीश: सूची - यथा डॉक्टर, इन्जीनियर, वकील, व्यापारी, उद्योग, ब्यूरो क्रेट्स की सूचियाँ बनावें।

* जिला, प्रान्त, राष्ट्रीय स्तर के ख्यातनाम व्यक्तियों को विभाजित करें।

सभी स्तर पर उचित टोली सम्पर्क करने जावें। साथ में परिषद् का साहित्य, प्रमुख पकल्प की जानकारी, अभी तक जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की जानकारी बताने का प्रयास करें।।

उक्त कार्य के लिए शाखा, प्रान्त एवं केन्द्र स्तर पर सम्पर्क टोली का गठन आवश्यक होगा। इन टोलियाँ एवं परिषद् के अधिकारियों में समझ एवं सामंजस्य का होना आवश्यक है। शाखा एवं प्रान्त के पदाधिकारी सम्पर्क के कार्यकर्ताओं को अपनी बैठकों मे अवश्य बुलावें एवं सम्पर्क टोली के गठन में सहयोग करें साथ ही उक्त सूचियों को सम्पर्क के कार्यकर्ताओं को उपलब्ध करावें।

सम्पर्क के लिए आवश्यक -

1. कार्यकर्ता स्वाध्याय अवश्य करें। अच्छा साहित्य जो संस्था के विचारों, उद्देश्यों को समझाने के लिए आवश्यक हों। सम सामयिक-सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, आर्थिक, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विषयों पर भी हमारा अध्ययन होना चाहिऐ, ताकि हम अपने विचारों को तार्किक एवं प्रभावी ढंग से रख सकें और उन्हें भली-भाँति आश्वस्त कर सकें।
2. सम्पर्क करते समय परिषद् का साहित्य जिसमें हमारे विचार, उद्देश्य, संगठन की स्थिति, परिषद् से जुड़े विशिष्ठ व्यक्ति, हमारे विभिन्न नियमित कार्यक्रम एवं प्रभावी स्थाई प्रकल्पों की जानकारी अवश्य दें।
3. प्रान्त एवं ऊपर के सम्पर्क टोली की नियमित बैठकें तथा प्रवास।
4. ऊपर के कार्यकर्ताओं के नियमित प्रवास होने चाहिए।
5. हर शाखा में मास में एक दिन 'सम्पर्क दिवस' हो उसमें 3-4 टोली बनाकर प्रत्येक टोली 4-5 चिन्हित व्यक्तियों से सम्पर्क करें।
6. सम्पर्क दिवस एवं प्रवास के पश्चात् 3-4 माह में समीक्षा बैठक हो।

हम सब एक दिशा में, एक लक्ष्य के लिऐ, एक साथ कार्य करने लगेंगे तो हम ''सम्पर्क क्रान्ति'' के साक्षी अवश्य बन सकेंगे। **!! भारत माता की जय !!** -**श्याम शर्मा**, राष्ट्रीय चेयरमैन - सम्पर्क

इतिहास का एक स्वर्णिम पृष्ठ

द्वितीय विश्व युद्ध चल रहा था। एक तरफ अंग्रेज सेना व दूसरी तरफ तुर्क और जर्मन सेना थी। भारतीय रियासतों ने भी अंग्रेजों की सेना के साथ लड़ने के लिए अपनी सेना भेजी थी। तुर्की सेना ने हैफा बन्दरगाह पर कब्जा कर लिया था। अंग्रेजों की तरफ से हैदराबाद, मैसूर और जोधपुर रियासतों की सेनाएँ तलवार, भाले, घुड़सवारों की सैन्य टुकड़ियाँ थी। जोधपुर और मैसूर रियासत की सेना को हैफा विजय के लिए रवाना किया गया। परन्तु बाद में ब्रिटिश अधिकारियों को ध्यान आया कि जर्मन सेना के पास मशीन गन बन्दूकें हैं। इसलिए उन्होंने जोधपुर और मैसूर की सेना को लौटने का आदेश भेज दिया। परन्तु इन सेनापतियों ने जबाव दिया कि एक बार रवाना होने के बाद वापस लौटना हमारी परम्परा नहीं है। अब हम या तो हराकर लौटेगें या युद्ध में वीरगति को प्राप्त होंगे। रियासती सेना के 900 सैनिक शहीद हो गये। लेकिल बचे सैनिकों ने हैफा पर कब्जा कर लिया और 1300 सैनिकों को बंदी बना लिया।

तलवार, भाले वाले सैनिकों की मशीन गनों से लैस सैनिकों पर विजय पाने की यह अभूतपूर्व घटना थी। इसलिए अंग्रेजों ने उनकी याद में दिल्ली स्थित अंग्रेजों के सेनाध्यक्ष के निवास का नाम तीन मूर्ति भवन रखा और सैनिकों के पुतले स्थापित किये। इसी तीन मूर्ति भवन में आजादी के बाद प्रधानमंत्री पं नेहरु का आवास बना। हैफा में प्रतिवर्ष 22-25 सितम्बर को आयोजित कार्यक्रम में इस लड़ाई को याद किया जाता है। वहाँ की पुस्तकों में इसके पाठ शामिल किये गये हैं। लेकिन दुर्भाग्य, राजस्थान और मैसूर के रण बाकुरों की शौर्य गाथा का हमारे देश ने भुला दिया। - **बलवीर पुंजा**, पूर्व सांसद

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2017

निश्चित रूप से प्रतिदिन योग करने वाला व्यक्ति अन्य की तुलना में स्वस्थ व दीर्घायु होता है। वह शारीरिक रूप से ही नहीं अपितु मानसिक व आध्यात्मिक रूप से भी स्वस्थ रहता है। प्रधानमंत्री, भारत सरकार की पहल पर विश्व भर के अनेक देशों द्वारा तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2017 को मनाया गया।

भारत विकास परिषद् की शाखाओं द्वारा क्षेत्र में छोटे-बड़े सैकड़ों कार्यक्रम हुए। नोएडा शाखा के नोएडा स्टेडियम में सम्पन्न हुए कार्यक्रमों में लगभग 2500 शहरवासियों की उपस्थिति रही। कहीं केन्द्रीय/प्रादेशिक मंत्रियों की उपस्थिति रही तो कहीं प्रशासनिक अधिकारियों व समाजसेवियों की। परिषद् सदस्यों ने योग दिवस देशभर में मनाया। परिषद् की अन्य शाखाओं द्वारा भी योग का आयोजन किया :

किदवईनगर कानपुर, ब्रह्मावर्त : महाराजा अग्रसेन भवन में योग शिविर का आयोजन किया गया। परिषद् सदस्यों के साथ बहुत बड़ी संख्या में स्त्री पुरुषों ने भाग लिया। रामशरण श्रीवास्तव, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रमोद दादू, क्षेत्रीय मंत्री, एम.एल. अग्रवाल प्रान्तीय संरक्षक सहित के.के.द्विवेदी, आर.के. गुप्ता भी उपस्थित रहे।

इटावा शाखा द्वारा कम्पनी बाग में योग शिविर लगाया गया।

भरथना शाखा का योग शिविर आर्य श्यामा बालिका विद्यालय में सम्पन्न हुआ।

गोविन्द कानपुर : माता गुजरी पार्क, लेबर कॉलोनी में स्थानीय परिवारों के साथ योग शिविर लगाया। योगाचार्य श्रवण कुमार यादव ने योग से शरीर व मस्तिष्क पर प्रभाव के बारे में बतायां अनीता शर्मा सचिव ने बताया कि 150 लोगों के कैम्प में महेश चन्द्र, पूर्व राष्ट्रीय मंत्री संगठन ने शिविर का संचालन किया तथा भारत भूषण जुनेजा, राष्ट्रीय संयोजक, मोनिका कपूर, हेमन्त सजनानी आदि प्रमुख रहे।

वैशाली गाजियाबाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : परिषद् एवं भारतीय योग संस्था के सहयोग से योग दिवस का आयोजन किया गया। झमाझम बारिस के बावजूद बड़ी संख्या में लोग योगाभ्यास के लिए आये। बारिस में योग का अनुभव रोचक रहा। खड़े होकर योगाभ्यास कराना पड़ा। इसके पश्चात शिवाजी के जीवन पर आधारित लघु नाटिका परिषद् परिवार द्वारा प्रस्तुत की गई। भजन रघुपति राघव राजा राम गया गया। तम्बाकू छोड़ो का संदेश भी शिविर में दिया गया।

गाजियाबाद मुख्य : शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन औषिधि पार्क राज नगर तथा जी ब्लॉक शास्त्री नगर में किया गया। उपस्थिति क्रमश: 125 तथा 75 रही। योगाचार्य श्री लक्ष्मण तथा श्री ए.के.अरोड़ा जी का सानिध्य प्राप्त हुआं दोनों पार्क में अनवरत शिविर जारी रहा।

गाजियाबाद संवाद : शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन चौधरी भवन, कविनगर में किया गया। लगभग 100 बन्धुओं और मातृशक्ति की उपस्थिति रही। योग शिक्षक के रूप में श्रीमती मालिनी अरोड़ा का सानिध्य प्राप्त हुआ।

हापुड मेन : रेलवे उद्यान, फ्रीगेज रोड हापुड़ में विश्व योग दिवस का आयोजन हापुड़ मुख्य शाखा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूनम अग्रवाल ने किया। शहर के गणमान्य व्यक्तियों का वरिष्ठ सम्मान भी किया गया। 100 से अधिक उपस्थित परिवारों के बीच वरिष्ठ सम्मानीय पूर्व प्रधानाचार्य सी.एल.शर्मा ने भगवत गीता का महत्व बताते हुए सबसे इसे नियमित पढ़ने का अनुरोध किया।

हापुड़ सृजन : मुख्य शाखा के संयुक्त तत्वावधान में योग शिविर सम्पन्न हुआ। शाखा की ओर से अतिथिगण को श्रीमद्भागवतगीता भेंट की गई।

हापुड़ माधव : शाखा द्वारा राजेन्द्र नगर पार्क में योग शिविर आयोजित किया गया। लगभग 100 लाभार्थियों ने शिविर में भाग लिया। एक्यूप्रेशर, फिजियोथेरेपी संबंधित जानकारी भी प्रदान की गई।

हापुड़ संस्कार : शाखा द्वारा आर्य समाज मंदिर में योग शिविर का आयोजन किया गया। बारिस होने के बावजूद भी शिविर उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। पतंजलि योग संस्थान के सहयोग से शिविर आयोजित किया गया।

हापुड़ श्रद्धा : शाखा द्वारा आर्य समाज मंदिर शिविर का आयोजित किया गया। लगभग 100 लाभार्थियों ने शिविर में भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री कर्मवीर जी, पतंजलि योग पीठ का सानिध्य रहा।

साहिबाबाद मेन : शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन राम मनोहर लोहिया पार्क में किया गया जिसमें सभी शाखा सदस्य सपरिवार उपस्थित हुए। श्री कुलभूषण जी व श्री अनिरूद्ध अग्रवाल का सानिध्य रहा।

साहिबाबाद विराट : शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 125 लोगों की उपस्थिति रही।

इंदिरापुरम शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन स्वर्ण जयंती पार्क इंदिरापुरम गाजियाबाद में किया गया। 250 से अधिक लाभार्थियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के उपरान्त चने एवं छाछ का वितरण किया गया।

वैशाली-बसुन्धरा शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन मेन पार्क, जज कॉलोनी, गाजियाबाद में किया गया। लगभग 100 लोगों की उपस्थिति रही। योगाचार्य श्री राजेन्द्र गुप्ता जी का सानिध्य रहा।

वसुन्धरा शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन स्वर्ण जयंती पार्क में किया गया करीब दो सौ लोगों ने बारिस के व्यपधान के बावजूद योगाभ्यास किया।

बुलंदशहर विराट शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन ममफोर्ड क्लब, मोतीबाग, बुलंदशहर में किया गया। लगभग 100 लोगों ने इस शिविर में भाग लिया। योग शिक्षक श्री वीरेन्द्र मित्तल जी ने योगासन और प्राणायाम कराए।

बुलंदशहर समर्पण शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया। लगभग 100 लोगों ने इस शिविर में भाग लिया।

गुलावठी संस्कार शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन S.C.A. Memorial Public School, Gulawthi में किया गया। जिसमें लगभग 250 लोगों ने इस शिविर में भाग लिया।

सिकन्दराबाद शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन जी.एम.आर. मेरिज होम, जी.टी.रोड पर किया गया। 451 लोगों की उपस्थिति रही। योग शिक्षक श्री अनिरुद्ध शास्त्री व विधायक श्रीमती विमला सोलंकी का सानिध्य प्राप्त हुआ।

सिंकदराबाद संस्कार शाखा द्वारा यो शिविर का आयोजन अशीर्वाद मेरिज होम व पावन कुटीर पर किया गया। प्रमश: 250 व 150 लोगों की उपस्थिति रही।

जहाँगीराबाद शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन पाठक फार्म हाउस में किया गया जिसमें लगभग 125 लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया। मुख्य अतिथि श्री सोनू पाठक, अध्यक्ष प्रदेश व्यापार मण्डल सानिध्य प्राप्त हुआ।

नोएडा शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन नोएडा स्टेडियम, सेक्टर 21, नोएडा में भव्य स्तर पर किया गया। 2500 लोगों का विशाल जनसमूह इस शिविर की उपस्थिति रही। योगाचार्य श्री राजेश जगीजा (Art of Living) का सानिध्य प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि ओम माथुर जी-राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा, विधायक नोएडा श्रीपंकज सिंह जी, सीईओ नाएडा श्री अमित मोहन जी का गरिमामयी उपस्थिति रहीं वन्देमातरम, भजन, संगीत के साथ सूर्य नमस्कार, Tricolour T-shirt आकर्षक का केंद्र रहे।

शाखा नोएडा विवेकानन्द द्वारा योग शिविर का आयोजन नोएडा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

दादरी शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन राधे फार्म, N.T.P.C. रोड, दादरी में किया गया। मुख्य अतिथि श्री तेजपाल सिंह नागर (विधायक दादरी), श्रीमती गीता पंडित (चेयरमैन, दादरी) का सानिध्य प्राप्त हुआ। पतंजलि योग समिति के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया गया। लगभग 500 लोग इस शिविर में उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड पश्चिम : देवभूमि हरिद्वार, भेल हरिद्वार, गुरुकुल हरिद्वार, विवेकानन्द बहादराबाद, नमामी गंगे, हरिद्वार, सिडकुल हरिद्वार, शिवालिक हरिद्वार, मायापुरी हरिद्वार तथा पंचपुरी हरिद्वार, कुल 9 हरिद्वार शहर की शाखाओं ने अंतराष्ट्रीय योग दिवस नवयोग शक्तिपीठ, हरिद्वार में मनाया। संत श्री मुनीजी महाराज मुख्य अतिथि रहे। कुल 80 सदस्यों ने योग का लाभ उठाया।

कुम्भनगरी हरिद्वार : शाखा ने दुर्गा काम्पलेक्स ज्वालापुर में कार्यक्रम सम्पन्न किया। 18 सदस्यों की उपस्थिति में

रामकुमार चौहान, प्रशिक्षक ने योग शिक्षा दी।

द्रोण देहरादून : राजेश थापा, अध्यक्ष की उपस्थिति में परेड ग्राउड, देहरादून में 20 सदस्यों ने योग का लाभ लिया।

मुख्य शाखा देहरादून : कमलेश्वर महादेव मंदिर, जी एम एस रोड पर कुल 40 सदस्य व नागरिकगण ने योग शिक्षा का लाभ उठाया।

क्लेमेंटटाउन देहरादून : अध्यक्ष विजयलक्ष्मी अग्रवाल ने बताया कि शाखा सदस्यों सहित कुल 120 नागरिकों ने आर्य समाज विकास नगर, देहरादून परिसर में योग किया।

मुख्य शाखा रुड़की : शालनी जैन, अध्यक्ष के नेतृत्व में कुल 55 सदस्यों व गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वी.आई.पी. घाट हरिद्वार पर योग शिक्षा का लाभ लिया।

निरंजनपुर माजरा : एम.एम. मंदोला, प्रशिक्षक पतंजलि योपीठ के सानिध्य में महादेव वि. मंदिर, देहरादून में कुल 165 लोगों ने योग पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

सम्पर्क मंगलौर रुड़की : अजब सिंह व राजेन्द्र त्यागी प्रशिक्षक द्वारा जैन धर्मशाला, बीटीगंज रुड़की में 70 लोगों ने योग शिक्षा ग्रहण की।

अविरल गंगा : डॉ. संगीता सिंह, अध्यक्ष ने 80 व्यक्तियों सहित ग्राम टोडा जमालपुर में मठाधीश गोपेश्वर आश्रम में अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

कोटद्वार : डॉ. हरक सिंह रावत की उपस्थिति में 25 सदस्यों सहित योग दिवस मनाया गया।

समर्पण रुड़की : प्रान्तीय उपाध्यक्ष अनीता गुप्ता की उपस्थिति में पतंजलि योगपीठ के योगाचार्य द्वारा शाखा के सदस्यों को योग शिक्षा प्रदान की। शिविर में 25 सदस्य उपस्थित रहे। पवन कुमार, योग शिक्षक के सानिध्य में रविप्रकाश जी के निवास स्थान पर 20 सदस्यों ने योग का लाभ लिया।

काशीपुर, उत्तराखण्ड पूर्व : हरभजन सिंह, विधायक, उषा चौधरी, महापौर की उपस्थिति में तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन रामलीला मैदान में किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

मुरादाबाद, रुहेलखण्ड : संजीव बंसल, विनय, जगदीश, सुनीता इत्यादि की उपस्थिति में विश्व योग दिवस मनाया गया व सामूहिक योग साधना शिविर पार्क में लगाया गया।

बहरोड़, राजस्थान उत्तर : आयुष विभाग के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल प्रांगण में योगाचार्य आर.के.शर्मा के सानिध्य में योगाभ्यास किया गया। सुरेश यादव, उपखण्डाधिकारी, परमाल गुर्जर, उपाधीक्षक पुलिस आदि उपस्थित रहे।

झूनझूनू, राजस्थान उत्तर पूर्व : संगीत के साथ लयबद्ध योग कराया गया। जिम्पी मोदी विद्या विहार में शिविर आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त अनेक नागरिक सम्मिलित हुए।

जसवन्त नगर-इटावा ने योग शिविर में रवीन्द्र यादव, कंचन यादव और महेन्द्र श्याम ने योग कराये।

किशनगढ़ शाखा द्वारा योग शिविर, सफाई तथा रक्तदान में 50 यूनिट रक्तदान किया।

बरबीधा-पटना शाखा ने योग दिवस पर डिवाइन लाइट पब्लिक स्कूल, नंदा वाटर आदि सम्मिलित हुए।

गया (मगध बिहार) ने पंजाबी कॉलोनी पार्क में योग शिविर लगाया।

शामगढ़ (मध्य भारत पश्चिम) शाखा द्वारा आयोजित छः दिवसीय योग शिविर में बंशीलाल, गिरधारीलाल योग शिक्षक अभ्यास कराये।

राँची (झारखण्ड) द्वारा बाल निकेतन हाई स्कूल में योग दिवस मनाया गया।

बहरोड शाखा ने आयुष विभाग के साथ योगाचार्य के.आर. शर्मा को सानिध्य में योग शिविर सम्पन्न किया। प्रशासनिक अधिकारी सुरेश यादव परमाल गुर्जर, चेयरपर्सन नीलम यादव, जेल सिंह यादव उपस्थित रहे।

परमहंस लखनऊ शाखा में योग शिविर के बाद छाछ, अंकुरित चना, मूंग वितरण हुआ।

प्रयाग : सभी शाखाओं ने शिन्मय मिशन रसूलाबाद इलाहाबाद में योग शिविर कार्यक्रम किया। बिंदकी के विधायक मुख्य अतिथि रहे।

रुहेलखण्ड : प्रान्त में 14 स्थानों पर सांसद, विधायक तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। मुरादाबाद शाखा (उपस्थिति 25), मैत्री मुरादाबाद (40), उपासना मुरादाबाद (15), विवेकानन्द मुरादाबाद (40), संस्कृति मुरादाबाद (30), गवां सम्भल (45), सरायतरीन संभल (50), कल्कि सम्भल (80), बहजोई (40), मंगलम बहजोई (90), चंदौसी (15) वजीरगंज 7 दिवसीय कार्यक्रम (संख्या 100), हल्दौर तीन दिवसीय कार्यक्रम (संख्या 50) तथा नाथ नगरी बरेली सात दिवसीय कार्यक्रम (संख्या 100) प्रति दिन रही।

फिरोजाबाद समन्वय, ब्रज प्रदेश : समन्वय फिरोजाबाद द्वारा तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर, गौशाला रोड, फिरोजाबाद में किया गया। डॉ. जे.के. जुनेजा, प्रान्तीय महासचिव की उपस्थिति में विभिन्न योग क्रियाओं पर उपस्थितगणों को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

आजाद शाखा हिसार द्वारा योग शिविर में अभिनेता दिनेश मेहता तथा विद्यालयों के शिक्षक, पार्षद, सरपंच उपस्थित रहे।

तेजपुर, असम शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन हुआ।

मनीमाजरा, चण्डीगढ़ : शाखा द्वारा एम.एस सरस्वती विद्या मंदिर निरंजनपुर में पतंजलि योगपीठ के शिक्षक एम.एस. मण्डोला के मार्गदर्शन में योग शिविर आयोजित किया गया।

प्रतापनगर सांगानेर : प्रताप नगर में नि:शुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया। राजकुमार वर्मा, माननीय राज्यसभा सांसद तथा शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। देवी नारायण पारीक तथा रनवीर सिंह त्यागी, शाखा अध्यक्ष ने मुख्य भूमिका निभाई।

तलवाड़ा : त्रिलोचन सिंह, चीफ इंजीनियर चौंग डैम की उपस्थिति में योग शिविर 'करो यो रहो निरोग' सदस्यों के साथ सम्पन्न हुआ।

हम्मीरपुर-स्वाईमाधोपुर : पाँच दिवसीय योग एवं प्रणायाम शिविर का समापन मुख्य अतिथि हंसराज शर्मा, पूर्व विधायक द्वारा किया गया। योग शिक्षक भानु कुमार त्रिवेदी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

हिसार : सात दिवसीय योग शिविर का समापन 390 की संख्या के समक्ष 21 जून, 2017 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन किया गया। तदुपरान्त शीतल पेय व अंकुरित आहार की व्यवस्था रही।

पिलखुव व पिलखुवा विवेकानन्द : शाखा के संयुक्त तत्वावधान में 19-21 जून, 2017 तीन दिवसीय योग का आयोजन रामलीला मैदान में किया गया। प्रतिदिन लगभग 300 लाभार्थियों की उपस्थिति रही। योगाचार्य श्री धरमेश्वरानन्द सरस्वती जी व हास्य योग श्री जितेन कोही ने योगासन व प्राणायाम सिखाए। मुख्य अतिथि के रूप में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राजीव गोयल जी रहे।

सिम्भावली : शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन स्थानीय पार्क में किया गया। शिविर में लगभग 100 लोगों ने भाग लिया।

मंडी आदमपुर : पतंजलि योग समिति, आदमपुर, आयुष विभाग तथा तहसील प्रशासन आदमपुर के संयुक्त तत्वावधान में तृतीय अंतराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। योग प्रशिक्षक जर्नादन शास्त्री ने उपस्थित सदस्यों, विद्यार्थियों को योग से अवगत कराया।

Mansarovar-Luckonw, Avadh Pradesh : A Yoga Shivir conducted from 26th May to 21st June,

2017 by the branch at Nageshwar Mandir, Ashiyana. 40-45 members attended.

Bhubaneswar Central, Odisha : Organised meditation followed by Yoga Programme at Metro City apartment campus in association with Jagriti Ladies club. Geeta Pattnaik, Vice President cum National Secretary Eastern Region inaugurated the event by lighting the lamp. Dr. M.P. Rout, President of branch, J.M. Pattnaik, Sangita Dash alongwith 75 participant were present.

Patherkandi, Assam : 3rd International Yoga Day was celebrated at KANAI Bazar. 60 students of the nearby locality alongwith members of the branch attended the programme. Mihir Kanti Das, Yoga teacher alongwith Biswajit Chanda Lal the programme. Manik Lal Deb, Secretary & Sanjay Deb Nath were present.

YOGA- DEVINE SCIENCE

S.B. Saraswat Sr. Scientist

YOGA is originated from pre-vedic Indian traditions. Yoga is mentioned in RIG-VED as well as in Bhagvat GITA (chapter-6).In spirituality, Yoga means union of Soul with universal consciousness or spirit. Though in Vedic period, Patanjali introduced YOGA to then India but real picture was delighted by Swami Vivekanand in the end of 19th century when he advocated Yoga at international plat farm in Shikago meet in U.S.A. Swamiji became spiritual leader (VISWA-GURU) because of inner soul purified & strengthened by power of Yoga.

In modern India Yoga has been treated as" Devoted attachment and spiritual elevation. But in practical life Yoga is treated as physical exercise for in which all parts of body are stimulated due to different ASANS. In Bhagwat Gita Lord Krishna emphasized Yoga (PRAYANAM) for concentration of mind for which suitable derived as MEDITATION. Meditation brings stillness of mind and removes tension, creates positive thinking.

Theme of world health organization for this year 2017 is Depression for which a slogan has been given "Let us talk". These days depression has become common disease all over world affecting all age group of people. This impacts one's ability to carry out routine tasks with consequences of society/ work place/family. At worst, depression may lead to self-inflicted injury and suicide. Yoga is natural cure of such human diseases if regular practice of Mediation is done. Pranayam is boon of mental health. Most of the exercises of yoga may be "Prevention is better than cure."

Briefly Yoga may provide one with ability to authentic self-awakening the conscience and harmonizing spiritual awareness, attitude and self- realization.

-Ex-JT. DIRECTOR. Central silk board. Govt of India. Dehradun-248171

एक अनुभूति भी और एक चेतावनी भी

योग दिवस के बारे में विश्व व्यापी प्रचार मीडिया तथा विज्ञापानों के माध्यम से योग की ख्याति संसार में हो रही है। भारत की इस प्राचीन पद्धति से अनेक लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है। यह खुशी की बात है।

ऐसा लगता है कि योग का यह व्यवसायीकरण इसे एक वर्ग विशेष तक सीमित कर देगा। महर्षि पतंजलि ने योग के लिए ''योगः, चित्त, वृत्ति, निरोध'' ऐसा कहा है। इसके आठ सोपान (यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि) बताए हैं। आज का आधुनिक पद्धति में प्राणायाम के सीधे ध्यान पर पहुँचा दिया गया है। वास्तव में यह तर्क योग के विश्व व्यापी व्यवस्था बनाने का एक अंग है। आज योग के अनेक स्कूल, ऊँची फीस लेकर चल रहे हैं। यह व्यवसायीकरण योग की मौलिक भावना को ठेस पहुँचाता है। व्यवसाय कोई भी करे परन्तु धन प्राप्ति के लिए योग जैसे पवित्र उपादान का प्रयोग उचित नहीं है। – **रामशंकर मिश्र**

MILESTONES------------------ BHARAT VIKAS PARISHAD

लुधियाना ट्रस्ट (न्यास)

वर्ष 1992 में लुधियाना में परिषद् की लुधियाना शाखा दिव्यांग सहायतार्थ शिविर का आयोजन करती थी। दिलशाद गार्डेन (दिल्ली) स्थित केन्द्र की टीम आकर शिविर लगाकर दिव्यांग भाई बहनों को कृत्रिम अंग लगाते थे। शाखा के बंधु समाज से सेवा के लिए योगदान लेने के लिए नकद राशि/चेक से लेते थे।

वर्ष 1996 में भारत विकास परिषद् के तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्यारालाल राही जी ने लुधियाना में अपना दिव्यांग सहायता केन्द्र शुरु करने की प्रेरणा दी। ट्रस्ट निर्माण के लिए एक ट्रस्ट डीड कोर्ट से रजिस्टर्ड कराई। ट्रस्ट को आयकर में 12A में रजिस्टर्ड कराया और फिर आयकर धारा 80G में रजिस्टर्ड हुए। यह काम दानी सज्जनों से दान लेने के लिए किया गया। ट्रस्ट के काम के लिए पंजाब सरकार ने भारत विकास परिषद् को ऋषि नगर में 3200 वर्ग गज की एक जमीन प्रदान की, जिसमें समाज से धन एकत्र कर एक भव्य भवन बनाया गया है जो आज बेसमेंट एवं दो मंजिला भवन है। और 16 कमरों का भवन है। जिसका नाम डॉ. सूरज प्रकाश भवन रखा गया है।

दिव्यांग सहायता योजना : इस भवन में प्रारंभ में इसमें केवल दिव्यांग सहायता का काम किया जाता था। यह काम वर्ष 1996 से शुरू हुआ। जिसमें दिव्यांग भाई बहनों को कृत्रिम टांग, बाजू, ट्राईसिकल, व्हील चेयर, बहरों को ऊँचा सुनने वाली मशीन देना प्रारंभ किया। इस काम में मार्च 2017 तक 16460 को कृत्रिम टांगे, 5006 को कृत्रिम हाथ, 18247 को कैलिपर, 6751 को सुनने की मशीने, 1507 ट्राईसिकल/व्हील चेयर अर्थात् कुल 47969 लोगों को यह सहायता दी गई। जिनमें लुधियान, जालंधर, अमृतसर, कपूरथला, मानसा, होशीयारपुर, गुरदासपुर आदि जिले विकलांगता मुक्त किये गये थे।

दिव्यांग पुनर्वास योजना :- वर्ष 2001 में दिव्यांग पुनर्वास का काम शुरू किया। इसमें दिव्यांगों को रोजगार के लिए उनके कार्य क्षमता के अनुसार काम सिखाए गए। जिनमें स्कूलों में प्रयोग होने वाला चाक, डस्टर, अखबारों से लिफाफे, दिव्यांग योजना में आने वाली स्टॉक नेट, विकास फुट, चमड़े से बनने वाली बेल्ट आदि का निर्माण इस केन्द्र ने शुरु किया। दिव्यांगों को सरकारी सुविधाएँ जिनमें दिव्यांग प्रमाण पत्र, रेलवे पास, रोडवेज बस पास, दिव्यांग पेंशन आदि से 20000 से ऊपर लाभान्वित हुए। दिव्यांग भाई बहनों की 150 शादी कराई गई।

मेडिकल सहायता : वर्ष 2005 से विविध चिकित्सा पद्धति से सेवा शुरू हुई (जिनमें फिजियोथेरेपी, होमियोपैथी, नेत्र रोग, दन्त रोग, महिला रोगी, बच्चों के रोग, एक्सरे, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंचर, आयुर्वेदिक, सूर्य किरण चिकित्सा आदि शुरू किये गये, जिसके अन्तर्गत एक दिन में 300 से अधिक रोगी चिकित्सा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।) इसमें मार्च 2017 तक 177995 होमियोपैथी, 93939 फिजियोथरेपी, 9353 नेत्र रोगी, 7342 महिला रोगी, 37643 आयुर्वेदिक, 21145 दंत रोगी, 39746 एक्यूप्रेशर एवं अन्य 3356 अर्थात् 401462 रोगी अब तक चिकित्सा का लाभ ले चुके हैं।

पोलियो सर्जरी अस्पताल : वर्ष 2006 में पोलियो सर्जरी का काम प्रारंभ हुआ जिसके अन्तर्गत 190 शिविर लगाये गये है और 2392 पोलियो के सफल ऑपरेशन किये गये।

समाज में एक पहचान यह है कि भारत विकास परिषद्, लुधियाना सेवा ट्रस्ट को देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं राज्य के मुख्यमंत्री एवं सामाजिक न्याय तथा अधिकारित मंत्रालय द्वारा अनेक सम्मान मिले हैं।

– **(साभार श्री यशपाल गुप्ता)**, संचालक ट्रस्टी एवं राष्ट्रीय चेयरमैन 'सेवा'

रिश्ते विश्वास पर जीवित रहते हैं, और अगर यह किसी बिन्दु पर टूट गया है, तो यह बहुत ही रिश्ते का अन्त है, इसके अलावा, संवाद करने में असमर्थता समस्याओं की ओर जाता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस (National Sports Day)

ध्यानचंद, जो अपने अविश्वसनीय हॉकी कोशल के लिए हॉकी के-जादूगर' के रूप में जाने जाते हैं। वर्ष 2012 में उनके जन्म दिन के अवसर पर भारत सरकारने इस दिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' (National Sports Day) के रूप में मनाने का निर्णय लिया। और तब से हर वर्ष पूरे भारत में 29 अगस्त को महान् हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद सिंह को सम्मानित करने के लिए 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन भारत के राष्ट्रपति विभिन्न खेल क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ियों और कोचों को राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार और द्रोणाचार्य पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार से सम्मानित करते हैं।

29 अगस्त, 1905 का दिन था जब भारत के सबसे सफल हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद का जन्म इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में हुआ। वह 16 साल की उम्र में भारतीय सेना में भर्ती हो गए थे। वह जल्द ही अपने उत्कृष्ट खेल तकनीक के कारण भारतीय हॉकी टीम के कप्तान बन गए।

अपने खेल कैरियर के दौरान बतौर कप्तान ध्यानचंद ने हॉकी में भारत को 3 ओलंपिक पदक वर्ष 1928, 1932, 1936 में दिलाये और अब तक एक मात्र हॉकी खिलाड़ी हैं जिन्हे पद्म भूषण सम्मान प्राप्त हुआ। जो देश का तीसरा सबसे बड़ा सिविलियन सम्मान है। उन्होंने अपने 22 साल के कैरियर में 400 से अधिक गोल किए।

देश के एक महान् खिलाड़ी की स्मृति में खेल दिवस का आयोजन किसी सरकारी आयोजन मजबूरियों अथवा सरकारी दबाव के कारण कुछ खेल संघों की औपचारिक गतिविधियों के साथ सम्पन्न हो जाता है। लम्बे समय तक हॉकी के बेताज बादशाह के रूप में भारत की ख्याति आज के क्रिकेट के खेल पर सिमट गई है। ऐसा लगता है कि क्रिकेट के अलावा खेल की सूची में किसी खेल का महत्व नहीं रहा। हॉकी, कुश्ती, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेनिस, शतरंज और तीरंदाजी के क्षेत्र में खिलाड़ियों ने अपने दम पर, अपने खर्चे पर देश का नाम रोशन किया। तब सरकार जागी, खेल मंत्रालय को बढ़ावा दिया गया। वनवासी छात्रों को प्रशिक्षण देकर तीरंदाजी में भारत ने धाक जमाई। महिला हॉकी, क्रिकेट, कुश्ती में उभरती प्रतिभाओं पर राजनैतिक मठाधीशों का नियंत्रण, राजनीति और देशहित के बजाए निजी स्वार्थों के कारण खिलाड़ियों का प्रदर्शन सवालों के घेरे में रहा। खेलों की प्रतिभा बड़े घरानों के परिवारों में नहीं सामान्य, गरीब, ग्रामीण युवाओं की मांसपेशियों में होती है। ये विद्यार्थी उन स्कूलों में नहीं पढ़ते जहाँ महंगे खेल उपकरणों को शोभ या दिखावे के लिए रखा जाता है। देश का दुर्भाग्य ही है कि जिन सरकारी, मध्यमवर्गीय स्कूलों में खेलों की प्रतिभा साधनों के अभाव में सिसक कर दम तोड़ देती है। यदि ऐसे स्कूलों में खेल प्रतिभा को निखारने तथा उपकरणों को प्रदान करने के कुछ प्रयास किये जाय तो भारत खेल जगत का एक चमकता सितारा बन सकता है। शुरूआती वर्षों में राष्ट्रीय खेल दिवस को Walkathons और फुटबॉल, टूर्नामेंट देश भर में आयोजित करके बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। पहले साल फिक्की ने Ministry of Youth Affairs और अन्य खेल निकायों की मदद से पूरे भारत में खेल प्रतियोगिताएं का आयोजन किया। लेकिन भारत में अब भी कई लोगों को राष्ट्रीय खेल दिवस के बारे में जानकारी ही नहीं है। देश में खेलों प्रशंसकों को उम्मीद है कि समय के साथ, इस दिन को अधिक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त होगी। - **मनोज अवस्थी,** सह सम्पादक

बुलेट समाचार

- लखनऊ परमहंस शाखा के द्वारा कमायनी पार्क में योग शिविर।
- सागानेर (राजस्थान उत्तर पूर्व) द्वारा योग शिविर पर सांसद रामकुमार वर्मा उपस्थित रहे।
- महाकौशल प्रान्त की लांजी शाखा ने नेकी की दीवार पर उपयोगी वस्तुओं की सहायता शुरू की।
- चन्द्रशेखर आजाद हिसार शाखा का योग शिविर पी.एल.पार्क में सम्पन्न।
- बिल्लासपुर रुहेलखण्ड शाखा ने चिकित्सा शिविर लगाया।
- मेवाड शाखा के स्थापना दिवस पर सैटेलाइट हॉस्पिटल में मरीजों को फल वितरण।
- सिमरी बखितयारपुर शाखा द्वारा पौधारोपण किया गया।
- सीतापुर शाखा ने मंदिर पार्क में फलदार वृक्षों का रोपण किया गया।
- संगम मुजफ्फरनगर शाखा ने एक प्याऊ, निर्धन छात्र को छात्रवृत्ति, निर्धन कन्या को सिलाई मशीन प्रदान किया।
- गाँधीनगर जम्मू शाखा सदस्यों ने पटनीटाप, चेनानी सुरंग आदि भ्रमण तथा परिवार मिलन सम्पन्न किया।
- औरैय्या शाखा द्वारा योग दिवस पर 1008 मानस की प्रतियाँ बांटी गई।
- भगतपुरा विहार में वृक्षारोपण सम्पन्न किया गया।
- करीमगंज (असम) शाखा द्वारा पय्रावरण दिवस पर पोधा रोपण किया गया।
- विवेक अम्बाला छावनी में ठंडे पानी की छबील लगाई गई।
- गोविन्द कानपुर शाखा ने 21 जून को गुर्जरी पार्क में योग शिविर लगाया।
- रामकृष्ण कानपुर शाखा द्वारा मोती झील पार्क में योग शिविर का आयोजन।
- जसवंत नगर शाखा ने सिद्धार्थ महाविद्यालय में योग शिविर लगाया।
- हिसार के दूरदर्शन चेनल पर परिषद् के पवन वत्स, निहाल सिंह सेनी, राम भगत ने रक्तदान परचर्चा में भाग लिया।
- भिण्ड (धर्मपुरी) मुक्तिधाम में नवीन बैंचों का लोकार्पण जिलाधीश इलैया राजा टी. ने किया।
- इम्फाल के चैम्बर हॉस्पिटल में अनुराधा जैन के मार्गदर्शन में 7 दिवसीय योग शिविर।
- भिवाड़ी शाखा द्वारा नगर विकास न्यास के सहयोग से यू.आई.टी. सेन्ट्रल पार्क में योग शिविर।
- देवघर शाखा द्वारा फलदार वृक्षों का रोपण पर्यावरण दिवस पर किया गया।
- अशोक विहार दिल्ली शाखा ने ठंडे पानी तथा शरबत की छबील लगाई।
- अमरोहा शाखा द्वारा भीषण गर्मी में गंगा दशहरा के अवसर पर 10000 लोगों को शिकंजी वितरण किया गया।
- अवध प्रदेश - योग दिवस पर 18 शाखाओं द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न किये गये जिसमें लगभग 1000 योग साधकों ने भाग लिया।

एक सुझाव

परिषद् के गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन संस्कार प्रकल्प के अन्तर्गत सम्पन्न होता हैं हम लोग सुखी, सम्पन्न बड़े पब्लिक स्कूलों से सम्पर्क कर प्रकल्प पूरा करते हैं जबकि सरकारी, सेवा बस्ती, ग्रामीण स्कूलों में हमारा सम्पर्क नगण्य है। इन स्कूलों में गुरु शिष्य का भाव भी नहीं है और सरकारी अध्यापक संस्कार और गुरु शिष्य भाव की उपेक्षा करते हैं। अनुरोध है कि सरकारी स्कूलों में सम्पर्क करके प्रकल्प का उद्देश्य पूर्ण करें

– **कल्पेश शाह**, महासचिव, सौराष्ट्र कच्छ।

आओ कुछ हंस लें-

1. **कर्मचारी :** सर छुट्टी चाहिए।

   बॉस : छुट्टी एक ही शर्त पे मिलेगी, बताओ कटप्पा ने बाहुबली को क्यूँ मारा?

   कर्मचारी : सर हो सकता है, बाहुबली ने कटप्पा को छुट्टी न दी हो।

   बॉस : ......कितने दिन की छुट्टी चाहिए?

2. **आदमी :** मच्छर से, दिन में क्यों काट रहे हो,

   मच्छर : ओवर टाइम कर रहा हूँ साहब,

   माँ-बाप बीमार हैं....... घर में जवान बहन है,

   और लड़के वालों ने दहेज में 1 लीटर खून माँगें हैं।

3. **जज :** तुमने पुलिस ऑफिसर की जेब में माचिस की जलती हुई तीली क्यूँ रखी ??????

   पप्पू : उसने ही कहा था, जमानत करवानी है तो, पहले जेब गर्म करो।

4. **पहले एक** कमाता था नौ खाते थे, इसलिए उसे ''नौ करी'' कहते थे।

   बाद में एक कमाता था चार खा लेते थे, इसलिए उसे ''चा करी'' कहते थे।

   इसके बाद जितना मिलता था वो खुद के तन के लिए ही पूरा पड़ता था, इसलिए उसे ''तन खा'' कहते थे।

   अब तन को भी पूरा नहीं पड़ता... इसलिए उसे ''वे तन'' कहते हैं...!

   और आजकल के लड़के-लड़कियाँ सिर्फ सेल फोन के लिए JOB करते हैं, इसलिए, उसे *सेल री* कहते हैं।

5. **पाण्डे जी** के नौकरी के आर्डर में लिखा था कि, सरकार की तरफ से आपको क्वार्टर मिलेगा,

   और पाण्डे जी इतने भोले थे कि .... ज्वाइनिंग के दिन सुबह नमकीन लेकर ऑफिस पहुँच गये।

6. **हमारे भारत** में दो बिस्कीट बनाने वाली कम्पनियाँ फेमस है... पहला पारले जी और दूसरा मेरी गॉल्ड।

   एक कप में जाकर वापस आता नहीं और दूसरा कप में जाता नहीं......

   विनम्र विनती है कि, आप मेरी गॉल्ड बिस्कीट का आकार छोटा करे, या फिर बिस्कीट के साथ बड़े आकार का कप दें.... और पारले जी वाले से निवेदन है कि, बिस्कीट में थोड़ा अम्बुजा सीमेन्ट भी मिलायें,

   क्यों कि चाय में डुबोते ही चकराकर वो उसी कप में आत्म हत्या कर लेते हैं।

7. **वकील** - माई लार्ड, कानून की किताब के पेज नम्बर 15 के मुताबिक मेरे मुवक्किल को बा-इज्जत बरी किया जाए।

   जज : ''किताब पेश की जाए''

   किताब पेश की गई, जज ने पेज नम्बर 15 खोला तो उसमें 2000 हजार के 5 नोट थे।

   जज ने मुस्कुराते हुए बोला, बहुत खुब!!!! इस तरह के 2 सबूत और पेश किये जाए।

8. **संता** गुलाब जामुन खा रहा था....

   बंता आया और बोला, बस अकेले-अकेले ?????, हमें भी टेस्ट कराओ गुलाब जामुन....

   संता ने एक गुलाब जामुन दे दिया.....

   बंता खाकर बोला... बस एक ही ???????

   संता हाँ बाकी सबका भी ऐसा ही टेस्ट है......।

दिल्ली मध्य प्रान्त द्वारा स्थापना दिवस पर आयोजित गोष्ठी-

एकात्म मानवतावाद के प्रणेता - दीनदयाल उपाध्याय

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि वीरतापूर्वक कहो कि हम भारतवासी हैं, प्रत्येक गरीब, अशिक्षित, दुखी और पीड़ित भारतवासी मेरा भाई है। भारत की पहचान बनाने के लिए अनेक महान पुरुषों ने बलिदान किया। दीनदयाल जी ऐसे ही एक राजनेता थे। जन्म से उनका व्यवहार सामान्य, परिवार का साया नही। बुझी हुई किरणों में से दीनदयाल जी विकसित हुए। 1937-47 के मध्य देश में आजादी का संग्राम चल रहा था। ब्रिटिश शासन से आजादी के बाद शासन कौन लेगा, हिन्दू हैं, मुसलमान हैं, दलितों को कितना हिस्सा मिलेगा, ऐसे प्रश्न आन्दोलनकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर, बांटो और राज करो की नीति को लागू किया ब्रिटिश शासन ने। भारत बहुसंस्कृति, बहुधर्मी देश है। ऐसे समय में दीन दयाल जी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को अपना कार्य क्षेत्र बनाया। भारत एक भूसांस्कृतिक इकाई है। भारत की पहचान बताने के लिए दीनदयाल जी ने कुछ प्रयोग किये। प्रथम विदेशी आक्रान्ता सिकन्दर के आक्रमण के कारण आचार्य चाणक्य के प्रयास और चन्द्रगुप्त मौर्य का संघर्ष भारत की पहचान का प्रथम प्रयास था। दीनदयाल जी ने चन्द्रगुप्त मौर्य प्रथम पुस्तक लिखी। आदि गुरु शंकराचार्य ने भारत को एक राष्ट्र की पहचान देने के लिए देश के चारो कोनो पर मठों की स्थापना की। दूसरी पुस्तक लिखी गई आदि शंकराचार्य। देश आजाद हुआ देश बटा। भारत में से अ-भारत के स्वर गूंजे। तब दीनदयाल जी ने तीसरी पुस्तक लिखी अखण्ड भारत क्यों। 1952 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के बाद जब कांग्रेस ने द्विराष्ट्रवाद को स्वीकार कर सत्ता संभाली और वामपंथी साम्यवादियों ने बहुराष्ट्र के सिद्धान्त पर विरोध पक्ष संभाला। तब द्विराष्ट्रवादी समर्थक कांग्रेस और बहुराष्ट्रवादी समर्थक वामपंथियों के मध्य भारत माता की जय कार लगाने वाले दल भारतीय जनसंघ का विकास करना कितना संघर्षपूर्ण रहा होगा। 1967 तक जनसंघ के घोषणा पत्र में अखण्ड भारत की चर्चा होती थी। वोट बैंक की राजनीति के समीक्षक चुनावों के बाद जनसंघ के समाप्त होने की घोषणा करते थे। क्योंकि इस दल का कोई वोट बैंक नहीं है, कोई करिश्माई नेता नहीं है।

इस कार्य काल में अनेक दल बने, बढ़े, टूटे और अप्रासंगिक हो गये। लेकिन जनसंघ की निरन्तर प्रगति हुई और राष्ट्रीय विकल्प बना। उसी समय गोवा के पुर्तगाली शासन और पाण्डिचेरी के फ्रेंच शासन के खिलाफ दीनदयाल जी ने ऐसा जन आन्दोलन खड़ा किया कि दोनों क्षेत्र स्वाधीन हो गये। आज संसार में राजनैतिक, वैचारिक अधिष्ठान क्या हो यह पश्चिमी विचारकों के मतों से निर्धारित होता है। राज्य, राष्ट्र, संविधान, विज्ञान, गणित, अर्थशास्त्र आदि के अध्ययन में केवल पश्चिमी विचारों के मत ही मान्य होते हैं। दीनदयाल जी ने इन विषयों पर प्राचीन विद्वानों, भारतीय मनीषियों एवं दार्शनिकों के मतों का प्रतिपादन किया। दीनदयाल जी ने पश्चिमी विचारों का अनुगमन नहीं अध्ययन करने पर बल दिया। इस आधार पर व्यष्टि, सृष्टि, समष्टि और परमेष्टि को एकाकार कर एक समग्र एकात्म मानववाद का सिद्धान्त रखकर राष्ट्र को परिभाषित किया। इस प्रकार प्रारंभ में स्थापित विकल्प ने आज संकल्प का आधार लिया है। - **महेश चन्द्र शर्मा**, अध्यक्ष, एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली

हृदयस्पर्शी

टिकट कहाँ है- टीसी. ने बर्थ सीट के नीचे छिपी 14 साल की लड़की से पूछा। नहीं है साहब! कापती आवाज में हाथ जोड़े लड़की बोली। तो गाड़ी से उतरो। टी.सी ने कहा। इसका टिकट मैं दे रही हूँ, पीछे बैठी प्रोफसर उषा भट्टाचार्य ने कहा। तुम्हें कहाँ जाना है। पता नहीं मैम। तब मेरे साथ बंगलौर चलो। तुम्हारा नाम क्या है। चित्रा। बंगलौर में उषा ने इस लड़की को एक स्वयंसेवी संस्थान को सौंप दिया। जल्दी ही उषा का ट्रांसफर हो गया। वे दिल्ली चली गई। लेकिन कभी-कभी चित्रा से उनकी बात होती रहती थी। बीस साल बाद प्रोफेसर उषा भट्टाचार्य को इंफ्रान्सिसको एक लेक्चर के लिए बुलावा गयां लेक्चर के बाद जब उषा होटल के रिसेपप्शन पर बिल चुकाने गई तो पता चला कि एक खूबसूरत दम्पति ने उनकी बिल चुका दिया है। तुमने मेरा बिल क्यों भरा। मेम साहब यह मुम्बई से बंगलौर तक के रेल टिकट के सामने कुछ भी नहीं है। अरे चित्रा तुम! हाँ चित्रा कोई और नहीं इन्फोसिस फाउण्डेशन की चेयरमैन सुधा मूर्ति थी।।

देखा आपने कभी आपके द्वारा की गई सहायता किसी की जिन्दगी बदल सकती है। - **अनूप**

अपने अन्तःकरण में ज़रा झांक कर देखें -

बिल्कुल ऐसा लग रहा था कि अधर अभी बोलना शुरू कर देंगे। हाथ आशीर्वाद को उठने ही वाले हैं। हमने बहुत सी मूर्तियाँ देखी है लेकिन ऐसी सजीव देव प्रतिमा आज ही देख रहे हैं। ऐसा कहते हुए दर्शनार्थियों ने मूर्ति के शिल्पकार से कहा कि आपके हाथों में जादू है। तभी तो ऐसी उत्कृष्ट प्रतिमा बनाई है। शिल्पकार ने विनम्रता से कहा कि आप व्यर्थ में मेरी प्रशंसा कर रहे है। मैंने कोइ प्रतिमा नहीं बनाई है। प्रतिमा तो शिलाखण्ड में पहले से विद्यमान थी। मैंने तो बस शिला में प्रतिमा के अलावा जो अतिरिक्त पत्थर लगा था वह हटा दिया है। उसके हटते ही पत्थर की शिला में छिपी हुई प्रतिमा साकार हो गई।

हम ज़रा अपने अन्दर झांक कर देखें तो हमारे हृदय में भी भगवान उस प्रतिमा के समान विद्यमान है। लेकिन हमने उन्हें मोह, माया और आडम्बरों से ढ़क रखा है। जैसे ही हम अपने हृदय रूपी शिलाखण्ड में से सांसारिक संबंधों को अलग कर देंगे। हमारा हृदय भी पूर्ण रूप से परमात्मा का स्वरूप ले लेगा।

सीता जी जब श्रीराम के साथ वनवास जाने लगी तब माता कौशलया ने कहा-सीता वनवास जाने का आदेश तो राम के लिए है। तुम क्यों अयोध्या छोड़कर उनके साथ जा रही हो। तब सीता ने कहा हे माँ मेरा विवाह अयोध्या के सुख से नहीं अपितु मेरे सौभाग्य राम से हुआ है। मैं अयोध्या के सुख के लिए अपने सौभाग्य राम को नहीं छोड़ सकती और सीता ने सुख को छोड़ कर सौभाग्य को चुन लिया।

हमारे सामने हमें भ्रमित करने वाले संसार के सुख है और दूसरी ओर परमात्मा का सौभाग्य है। हम सांसारिक सुखों की भाग दौड़ में परमात्मा रूपी सौभाग्य को भूलते जा रहे हैं। यह तब है जब परमात्मा रूपी सौभाग्य बदले में हमसे वनवास या हमारी कीमती वस्तु या सुविधा नहीं मांगता है। वह तो बस हमारा हृदय चाहता है। निश्चल हृदय उसे देने से हमें कोई कमी नहीं आने वाली। क्योंकि परमात्मा हृदय की धड़कन नहीं, हृदय की सरलता, वाणी की मधुरता चाहता है। कर्तव्य परायणता, जीवन के प्रति दया, करूणा, सहिष्णुता मांगता है। जिस दिन इन गुणों से हृदय के मिथ्या आवरण को अलग कर देंगे हम में परमात्मा की छबि दिखने लगेगी। - **भीमसेन गोयल**

माँ का प्रेम

एक दिन चाणक्य के घर कोई ज्योतिषी आये। चाणक्य उस समय कही बाहर गये हुए थे। उनकी माँ ने जिज्ञासावश ज्योतिषी को अपने पत्री दिखाकर उसका भविष्य पूछा। ज्योतिषी ने कहा माँ तेरे पुत्र के ग्रह बड़े ही प्रबल है। वह जरूर चक्रवर्ती सम्राट बनेगा। यदि मेरे बात पर विश्वास न हो तो देखना उसके सामने के दांत पर नागराज का निशान है। माँ आवाक रह गई। वह अपने बेटे से बड़ा प्यार करती थी। उसे हर घड़ी अपने पास देखना चाहती थी। किन्तु चक्रवर्ती सम्राट बनने पर तो वह उससे बिछुड़ जाएगा। वह राज काज में इतना व्यस्त हो जाएगा कि उसे मेरा ध्यान ही नहीं रहेगा। जब चाणक्य लौटे तो माँ को उदास देखा। कारण पूछने पर माँ ने सारी बात बता दी। चाणक्य माँ की चिन्ता से विचलित हो गये। बोले माँ! ऐसा नहीं होगा। पर तुम कैसे कह सकती हो कि मैं चक्रवर्ती सम्राट बनूँगा। माँ ने कहा देख तेरे दांत पर नाग का चिन्ह है। यह चिन्ह देखकर चाणक्य ने एकान्त में जाकर पत्थर से दांत तोड़ दिया और माँ के सामने रखते हुए कहा तुम्हारे सामने मेरे लिए चक्रवर्ती सम्राट के पद का कोई मूल्य नहीं है। यह देख कर माँ की आँखों में आँसू आ गये। वह बोली माँ तो अपनी ममता में अपनी प्रिय वस्तु न्यौछावर कर देती है। तुमने तो अपनी माँ के लिए इतनी बड़ी चीज कुर्बान कर दी। तुम्हें जन्म देकर मैं धन्य हो गई। - **भीमसेन गोयल**

एक मिट्टी की मूर्ति बनाने वाला कलाकार ईश्वर से कहता है हे प्रभु! तू भी एक कलाकार है, मैं भी एक कलाकार हूँ। तूने मुझ जैसे असंख्य पुतले बनकार इस धरती पर भेजे है। और मैंने तेरे असंख्य पुतले बनाकर इस धरती पर बेचे हैं पर ईश्वर! उस समय बड़ी शर्म आती है, जब तेरे पुतले आपस में लड़ते हैं और मेरे पुतलों के सामने लोग शीश झुकाते हैं। - **हरीमोहन राजपूत**

विविध गतिविधियाँ

हरियाणा दक्षिण, पलवल : शाखा द्वारा सेवा कार्य की एक स्थाई योजना का प्रारंभ श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने नागरिक अस्पताल में किया। अस्पताल में भर्ती मरीजों को दोपहर का भोजन निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। अध्यक्ष हेमचन्द्र सिंगला के साथ ही श्री एस.एन.बंसल, अनिल मंगला, राजकुमार अग्रवाल प्रान्तीय पदाधिकारियों ने हरियाणा के अन्य जिलों में भी योजना के आरम्भ करने की घोषणा की। गुरुग्राम अस्पताल में मरीजों को तीन बार भोजन प्रदान किया जाता है।

सापला : अग्रसेन राजकीय कन्या विद्यालय सभागार में भारत विकास परिषद् द्वारा आयोजित समारोह में 55 छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिनके माता पिता द्वारा रक्तदान किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. अनूप बंसल ने रक्त के महत्व तथा उपयोगिता के बारे में बताया। स्कूल स्टाफ तथा छात्राओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। पंकज अग्रवाल ने स्थापना दिवस पर रक्तदान के लिए आमंत्रित किया।

गोविन्द-सोनीपत : शाखा द्वारा कौशल विकास एवं संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कॉलोनी के गरीब मजदूरों के बच्चें कोचिंग करते हैं। 40 लड़कियों को वेस्ट मैटीरियल से उपयोगी सामान बनाने का व सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। सचिव शालू त्यागी, रेखा गोयल, सरोज, रूबी, ममता, सौम्या, शौर्य आदि ने सहयोग किया।

हरियाणा पश्चिम, जयन्ती जीन्द : भीष्ण गर्मी को ध्यान में रखते हुए शाखा द्वारा राजकीय प्राथमिक पाठशाला में एक शीतल जल वाटर कूलर लगाया गया। साथ ही छत पर पंखे लगाये। इस जन उपयोगी पुनीत कार्य में प्रवीन जिन्दल, अमित गर्ग, अशोक सिंगला आदि मुख्य रूप से भागीदार रहे।

हिसार : शाखा के दायित्व ग्रहण पर 25 छात्राओं को वर्ष भर का शिक्षण शुल्क दिया गया। 10 दिव्यांगा बन्धुओं को अंग प्रदान किये गये। प्रान्तीय अध्यक्ष के.के.अरोड़ा, श्री प्रवीन सिंघल के साथ बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया।

हरियाणा उत्तर, महर्षि दयानन्द अम्बाला : अम्बाला शहर में 3 दिवसीय प्रान्त स्तरीय आवासीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा छह से नौवीं तक के 165 छात्र व छात्राओं ने जोर शोर से भाग लिया। 27 जून को डा. सूरज प्रकाश की जयन्ती पर नागरिक हस्पताल में मरीजों की दूध-ब्रेड बाँटा गया।

पंजाब पूर्व, बस्सी पठाना : शाखा द्वारा बच्चों में समाजसेवर भावना पैदा करने के उद्देश्य से गाँव धुन्धा के सरकारी प्राइमरी स्कूल में अध्यक्ष अनिल कुमार की अगुवाई में एक समागम करवाया गया। इस अवसर पर परिषद् द्वारा 54 बच्चों के लिए टाट, स्टेशनरी व पानी का कैंपर भेंट किया गया। परिषद् के जिला अध्यक्ष तिलकराज शर्मा व अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं और बच्चों में सामाज सेवा की भावना जागृत करने के लिए यह प्रकल्प चलाया गया। कार्यक्रम में बलदेव कृष्ण, नीरज गुप्ता, इन्द्रजीत सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

उडीशा, पुरी : शाखा द्वारा श्री जगन्नाथ रथयात्रा आयोजन पर 50 लाख भक्तों की विभिन्न सेवाओं के लिए सेवा पात्र का आरंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय दत्ता ने सम्पन्न किया। सचिव पूरन खुटिया ने बताया कि परिषद् के द्वारा चिकित्सा सुविधाएँ, एम्बुलैंस, स्ट्रेचर, फर्स्ट एड, दवाएँ तथा रक्तदान, भोजन के पैकेट, शीतल जल, नीबू पानी, ओ.आर.एस. घोल, मुख्य मार्ग की सफाई तथा सूचना केन्द्र में खोया पाया की व्यवस्था रहेगी।

सौराष्ट्र कच्छ (गुजरात) : वार्षिक सभा में श्री मुकेश भाई मल्कन-ट्रस्टी कार्तिक भाई पारेख तथा नितिन भाई ठक्कर की उपस्थिति में वार्षिक आख्या प्रस्तुत की गई। प्रान्तीय अभ्यास वर्ग में 98 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में संगठन व्यवस्था, नियम कानून, संविधान तथा संस्कार सेवा प्रकल्पों के आयोजन के लिए प्रशिक्षण दिया गया। अध्यक्ष तेजस पुजारा तथा महासचिव कल्पेश शाह तथा राधा बेन पटेल ने महिला सहभागिता पर व्याख्यान दिया।

गुजरात उत्तर, राधनपुर : शाखा द्वारा बोर्ड के परीक्षार्थियों का सम्मान किया गया। रामनवमी के पर्व पर

शीतल पेय तथा नीबू पानी वितरण किया गया। छाता का वितरण कैम्प लगाकर किया गया। ऊँझा शाखा ने मेहदी रचाओ प्रतियोगिता तथा बोर्ड के छात्रों को समयानुकूल निर्देश का प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. अमिता जोशी, प्रान्तीय संयोजिका का योगदान रहा।

ब्रह्मावर्त, किदवईनगर कानपुर : शाखा के द्वारा बैंक ऑफ बड़ोदा के सहायक महाप्रबन्धक श्री पी.पी.शर्मा के आतिथ्य में गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी में कु. स्वाति यादव, मार्केटिंग मैनेजर ने आर्थिक विकास में बैंकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। मैनेजर आई.टी. श्री शिवम द्वारा कैशलेस लेन देन के परिप्रेक्ष्य में बैंकों द्वारा प्रदत्त सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने गोष्ठी को सार्थक बताते हुए परिषद् की प्रशंसा की।

चन्द्रशेखर आजाद-उन्नाव : प्रान्त की नई शाखा चन्द्रशेखर आजाद का गठन श्री जी.एस. भदौरिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रान्तीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में सरंक्षक मंडल के सदस्यों ने पर्यावरण के पोस्टर का अनावरण किया गया। श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। इस समारोह में नरेश सोनी को मीडिया प्रभारी, निम्मी अरोड़ा को महिला संयोजिका, शशांक गुप्ता को बेटी बचाओ, प्रेम सिंह तोमर को रक्तदान प्रभारी बनाया गया। दीपाकर तिवारी को बागरमऊ तथा सफीपुर में शाखा स्थापना की जिम्मेवारी दी गई।

ब्रज प्रदेश, डिबाई : सत्र 2017-19 का अधिष्ठापन कार्यक्रम रजनी पब्लिक स्कूल के सभागार में सम्पन्न हुआ। जे.पी. गुप्ता, प्रान्तीय अध्यक्ष ने अधिष्ठापन अधिकारी की भूमिका निभाई। महेश चन्द्र गुप्ता, जे.एस. गाँधी तथा अजय शर्मा को क्रमश: अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष की शपथ दिलाई। कैलाश वार्ष्णेय, प्रान्तीय संगठन मंत्री, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अलीगढ मयूरी : शाखा द्वारा कृति रेस्टोरेन्ट में गर्मी से बचाव के उपाय पर परिचर्चा की गई। गर्मी में ठंडे पेय जल तथा उनकी तैयारी के टिप्स दिये गये। तम्बाकू और धूमपान निषेध पर एक चेतावनी तथा संकल्प कराया गया। इस अवसर पर रश्मि, उमा गुप्ता, सरिता शर्मा, अनीता, निरूपमा उपस्थित रहीं।

प्रयाग, स्वर्णिम प्रयाग : शाखा द्वारा हिन्दुस्तान एकेडमी में सूरदास जयन्ती के आयोजन पर सासंद श्यामशरण गुप्त ने विकलांग शिविर के लिए 25 लाख रुपये प्रदान किये।

काशी प्रदेश, साकेत वाराणसी : शाखा द्वारा 20वाँ अधिष्ठापन समारोह 14 मई को सम्पन्न हुआ। मुख्य वक्ता अभय जी ने परिवार की एकजुटता तथा विघटन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में रीजनल व प्रान्तीय अधिकारी उपस्थित थे। इसमें 20 नए परिवारों ने परिषद् की सदस्यता ग्रहण की। शाखा ने एक अन्नदान कार्यक्रम भी आयोजित किया जिसमें 300 जरूरतमंद परिवार लाभाविन्त हुए।

अवध प्रदेश, लखीमपुर खीरी : अधिष्ठापन कार्यक्रम समारोह मदनलाल अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर आकाश दीप, जिलाधि कारी, लखीमपुर खीरी ने मुख्य अतिथ के रूप में पधार कर उपस्थित सदस्यों का मार्गदर्शन किया और पर्यावरण क्षेत्र में अधिकाधिक कार्य करने की सलाह दी। पन्द्रह नये सदस्यों की शपथ के साथ क्षेत्र में अनेक सामाजिक कार्यों का संकल्प लेते हुए मोती सागर ने अध्यक्ष, छोटेलाल ने सचिव तथा राजेन्द्र प्रसाद ने वित्त सचिव की शपथ ली।

संकल्प लखनऊ : तीन दिवसीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन मई 11 से 13 तक किया गया। डॉ. आई.डी. रस्तोगी एकेडमी, जानकीपुरम, लखनऊ में प्राइमरी कनष्ठि व वरिष्ठ कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए साफ-सफाई, पर्यावरण, जल-संरक्षण, तुलसी पौधे का महत्व, बड़ों का आदर सम्मान आदि समझाया। भारतीय योग संस्थान के प्रशिक्षक सी.एस.आर. सिंह के द्वारा मेडिटेशन कराया गयां पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की और मदनलाल अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा विजेताओं को पुरस्कार व सर्टिफिकेट वितरित किये गये।

लखनऊ परमहंस : शाखा द्वारा तीन दिवसीय 'महिला सहभागिता एवं बाल संस्कार शिविर' का आयोजन किया गया। 26 मई से 28 मई तक चले इस शिविर का समापन सुरेश चन्द्र अवस्थी, महापौर लखनऊ द्वारा किया गया। 30 महिलाओ व 65 बालक बालिकाओं की सहभागिता रहीं जहाँ बच्चों की स्वास्थ्य व संसकार की शिक्षा, महापुरुषों की कहानियाँ, वहीं महिलाओं को कटाई, सिलाई, पौष्टिक आहार की जानकारी अल्पना व रंगोली सजाना सिखाया गया। अंतिम दिन महिलाओं व बच्चों को उपयोगी वस्तुएं भेंट की गई।

लखनऊ : परिषद् स्थापना दिवस पर लखनऊ किंगजार्ज मेडिकल कॉलेज के कुलपति डॉ. मदनलाल भट्टब्रह्म को डॉ. सतीश चन्द्र राय सम्मान से सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने सम्मान प्रदान करते हुए डॉ. राय को अपना गुरु बताते हुए उनकी सरलता और कर्तव्यनिष्ठा को स्मरण किया। समारोह में अंकोलोजी विभाग के डॉ. विजय कुमार, श्री संदीप राय तथा प्रान्तीय तथा केन्द्रीय दायित्वधारी उपस्थित रहे। मुकेश जेन राष्ट्रीय मंत्री ने संचालन किया।

पश्चिम उत्तर प्रदेश, पिलखुवा : शाखा द्वारा यज्ञ का आयोजन के साथ नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नेत्र पीड़ितों के ऑपरेशन दिल्ली के वेणु आई केयर सेन्टर में भेजा गया। शीतल पेय के वितरण व्यवस्था की गई। पाक कला का 7 दिन का शिविर करके व्यजन बनाने की कला सिखाई गई।

मोदीनगर : शाखा द्वारा वरिष्ठों के मार्गदर्शन के अनुरूप एक स्थाई प्रकल्प 'शिक्षा विकास केन्द्र' की स्थापना आर्य समाज मंदिर, गोविन्दपुरी में की गई। उद्घाटन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता के द्वारा किया गया। वंचित वर्ग के विद्यार्थी से किसी कारणवश महंगी टयूशन से बंचित हैं मात्र रुपये 50 के शुल्क में गणीत व विज्ञान की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। 9वीं एवं 10वीं कक्षा के दो बैंच प्रारंभ हो गए। सुनील भाटिया, विपिन गोयल व रीना शर्मा ने गणीत तथा कपिल शर्मा ने विज्ञान विषय पढ़ा रहे हैं। इसी केन्द्र में पूर्वी निर्माण द्वारा बच्चियों को एक माह मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। चारू, लता द्वारा बच्चों को आर्ट एवं क्राफ्ट की शिक्षा भी दी जाएगी। इस अवसर पर डॉ. पवन सिघल, डॉ. गौरव भाटिया, शिवानी शर्मा, अजय दीक्षित सहित प्रान्तीय अध्यक्ष राजीव गोयल आदि मौजूद रहे।

बड़ौत : शाखा द्वारा पर्यावरण पर गोष्ठी सम्पन्न हुई। तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर दिगम्बर जैन इण्टर कॉलेज के पांडुक शिला मैदान में लगाया गया। वर्धमान हॉस्पिटल में मरीजों को फल वितरण किये गये। 25 यूनिट रक्त उपलब्ध कराया गया। गंगा दशहरा पर ठंडे जल की व्यवस्था की गई। सचिव अनुराग जैन।

हापुड़ मेन : निर्धन बालिकाओं को स्वावलम्बी बनाने हेतू सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प.उ.प्र. पश्चिमी प्रान्त की उपाध्यक्ष ममता शर्मा, सुशील गर्ग, सचिव, बी.एम. शर्मा अध्यक्ष द्वारा चलाया गया। इसमें मेंहदी, पैकिंग, ब्यूटीशियप का प्रशिक्षण दिया गया साथ ही योग, संस्कार व आत्मरक्षा की शिक्षा भी दी। सीमा गर्ग व रजनी मित्तल ने प्रतिभागी बालिकाओं का ब्लड ग्रुप तथा हीमोग्लोबिन टैस्ट भी करवाया।

सिकन्दराबाद : सात दिवसीय बाल संसकार शिविर का आयोजन किया गया। अंजु नरेन्द्र, माधुरी गर्ग, सुनीता सक्सेना द्वारा 27 से 30 बच्चों को कर्तव्यपरायणता, पारिवारिक संस्कार, 'स्वच्छ भारत अभियान' की जानकारी, शिक्षा में सामान्य परेशानियाँ व शिक्षण में रोचकता बढ़ाने, दैनिक कार्यों की समयबद्धता की नियमित शिक्षा दी गई। साथ ही 'Best made from Waste' की कार्यशाला के अंतर्गत् साजो सामान बनाना सिखाया गया।

हस्तिनापुर, समृद्धि मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा भोपा रोड ग्रान्डर प्लाजा में मेधावी छात्रों का अभिनन्दन किया गया जिसमें स्मारिका मित्तल, रोहन सेठी, सोलानी, वंशिका, मान्यता, पंखुरी, दिया, वर्चस्व, चिराग, अर्णव, मीनाक्षी शर्मा को सम्मानित किया गया। मीनाक्षी शर्मा के पिता रिक्शा चालक का देहावसान परीक्षा के दौरान हो गया था। मीनाक्षी की तीव्र वृद्धि और अति निर्धन्ता के कारण परिषद् ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

देवबंद : शरबत पिलाओ-प्यास बुझाओ' कार्यक्रम का सफल आयोजन गौशाला मार्केट, रेलवे रोड देवबंद में किया गयां डॉ. अमित वशिष्ठ, अमित सोनी, अश्वनी मित्तल, गुरदीप सोढ़ी आदि ने बताया कि मार्केट में परिषद् के स्थायी प्याऊ की व्यवस्था की जा रही है।

अभिनव-मेरठ : शाखा द्वारा मासिक पारिवारिक सभा का आयोजन जैन धर्मशाला घंटाघर, मेरठ में किया गया। शाखा की सदस्यता ग्रहण करने वाले नवीन सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई गई। संस्कार प्रकल्प द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। अशोक गुप्ता व समीर अग्रवाल सहित मुकेश जैन, अनिल त्यागी, शशि खन्ना आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड पश्चिम, समर्पण देहरादून : शाखा की नवीन कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। सहदेव सिंह पुण्डीर, विधायक सहसपुर द्वारा दीप प्रज्जवलित किया गया। वी.पी. गुप्ता, प्रान्तीय महासचिव ने नीतेश अग्रवाल, राजीव सक्सेना तथा उदयवीर सिंह मलिक

को क्रमश: अध्यक्ष, सचिव व वित्त सचिव की शपथ दिलाई। इस अवसर पर 42 निर्धन छात्रों को शिक्षण सामग्री व स्कूल बैंग वितरित किये गये। आदर्श पाल तोमर, प्रान्तीय अध्यक्ष ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। एस.एस. कोटियाल, पूर्व आई.जी. रामगोपाल, पवन शर्मा इत्यादि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड पूर्व, रुद्रपुर : दायित्व ग्रहण समारोह नवरंग वाटिका में सम्पन्न हुआ। सुनील खेड़ा, राष्ट्रीय मंत्री संगठन, नरेन्द्र अरोड़ा, रीजनल मंत्री सम्पर्क, विजय भूषण, प्रान्तीय अध्यक्ष एवं अधिष्ठापन अधिकारी का सानिध्य रहा। संजय राघू, वीरेन्द्र सुखीजा, संजय खेड़ा, अंकुर अग्रवाल को क्रमश: अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव तथा वित्त सचिव का दायित्व गंहण कराया। रेखा अरोरा, प्रान्तीय महिला संयोजिका द्वारा शाखा से जुड़ने वाले नए सदस्यों को सदस्यता संकल्प दिलाया। महिला सदस्यों को परिषदीय सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की प्रेरणा दी।

मध्य भारत उत्तर, वीर तात्याटोपे-शिवपुरी : शाखा का अधिष्ठापन प्रान्तीय महासचिव विनोद गर्ग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कपिल भाटिया ने अध्यक्ष, पंकज जैन ने सचिव, नवीन गुप्ता कोषाध्यक्ष की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर पाँच नये सदस्य भी शाखा से जुड़े। रोशनलाल ठाकुर कमाण्डेट आई.टी.बी. विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद् के पूर्व अध्यक्ष व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल वी.एस. कोकजे ने अपने संबोधन में कहा कि 'कोई भी सेवा कार्य अगर मिलकर किया जाए तो सेवा कार्य भी सार्थक होगा और हमारे प्रकल्प भी मिलकर पूरे होंगे'। अब दो वर्ष के कार्यकाल है अत: अधिकाधिक सेवा कार्य करें, इससे हमारी संगठनात्मक शक्ति का परिचय होगा तथा अन्य संस्थाएँ भी प्रेरणा लेगी। इस अवसर पर अजय कोचेटा, डॉ. वीरेन्द्र गुप्ता, अमित खण्डेलवाल, हेमन्त ओझा, अतुल सिंह आदि उपस्थित रहे।

महाकौशल : जबलपुर महानगर में भौगोलिक क्षेत्र के विभाजन के आधार पर 15 शाखाओं की स्थापना करके संयुक्त दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन किया समारोह में राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन ने समाज में परिवर्तन का साधन बनने के परिषद् के संकल्प को स्मरण कराया। एक वर्ष के कार्यकाल में 35 से 45 शाखाएँ तथा सभी जिलों में शाखा स्थापना का अद्‌भूत प्रयास टीम ने पूरा किया है। प्रान्त को बधाई।

राजस्थान पूर्व, दौसा : स्थानीय गेटोवाल धाम पर शाखासदस्यों ने भ्रमण किया व गोष्ठी का आयोजन किया। महिलाओं व बच्चों की प्रतियोगिताएँ रखी गई। परिण्डा अभियान के अन्तर्गत 11 परिण्डे लगाए गए। आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा सम्पन्न हुई।

राजस्थान उत्तर : प्रान्त की कुछ शाखाओं के कार्यक्रमों की संकलित सूचना इस प्रकार है। अनूपगढ़ शाखा बाल रोग, नेत्र रोग के परीक्षण तथा चश्में वितरित किये गये। जिन परिवारों को उज्ज्वल योजना का लाभ नहीं मिला उन्हें गैस सिलिण्डर, रेगुलेटर दिये गये। बीकानेर इकाई द्वारा निर्धन वर्ग के अवास प्राप्त लोगों को भोजन कराया गया। मीरा बीकानेर शाखा ने वृद्धाश्रम में फल वितरण। करणपुर, नाहर, सादुलशहर शाखा द्वारा विचार गोष्ठी सम्पन्न हुई। रक्दान अभियान में प्रांत की 5 शाखाओं द्वारा रक्तदान शिविर सम्पन्न होंगे।

जैतसर : शाखा द्वारा सामूहिक सरल विवाह योजना के अन्तर्गत निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह सम्पन्न किया गया। सभी सदस्यों ने नव दम्पतियों के विवाह संस्कार तथा रीति रिवाजों के साथ सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर प्रान्तीय दायित्वधारियों का मार्गदर्शन तथा नगर के दानदाताओं ने भी सहयोग किया। आयोजन को स्थानीय ईटीवी पर भी प्रसारित किया गया। विवाह संस्कार वैदिक रीति से किये गये। गौरी सरिया धर्मशाला में क्षेत्र की 8 निर्धन कन्याओं के विवाह पर प्रान्तीय अध्यक्ष विनोद आधा, सुनील लवंगकर, लालचन्द्र नायक, परमजीत सिंह, गगनदीप, वेद प्रकाश, सुरेशभीर आदि ने आशीर्वाद प्रदान किये।

राजस्थान मध्य, अजमेर : शाखा द्वारा चौपाटी पर विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण करने का संकल्प हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए पौधा रोपण अति आवश्यक है। भीषण गर्मी में पक्षियों तथा पशुओं के लिए परिण्डे लगाने का कार्य भी सुचारू रूप से चलाया गया।

सुभाष भीलवाड़ा : शाखा द्वारा 4 जून से 11 जून

तक आत्म रक्षा प्रशिक्षण शिविर शिवाजी गार्डन में लगाया गया जिसमें 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 11 जून को समापन समारोह में कैलाश अजमेरा, प्रान्तीय महासचिव की उपस्थिति ने आत्मरक्षा गुणों का प्रदर्शन किया।

राजस्थान दक्षिण, चित्तौड़गढ़ : शाखा द्वारा पर्यावरण जागरूकता के लिए साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक व्यक्ति एक पौधा का संकल्प लिया गया। पोलिथिन के प्रयोग को रोकना तथा भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने की भी चर्चा की गई। रैली में वरिष्ठ नागरिक मंच, नव निर्माण यूथ, एन.सी.सी., होमगार्ड, वन विभाग, बैंक, मैत्रेय परिषद् संस्थाएँ सम्मिलित हुई।

राजस्थान पश्चिम, सिरोही : शाखा द्वारा अर्बुदा गौशाला में हरा चारा प्रदान किया गया। श्री रघुभाई माली ने बताया कि गौ के स्पर्श से तथा गौ मूत्र के उपयोग से अनेक रोग दूर हो जाते हैं। भीषण गर्मी के कारण परिषद् के द्वारा पशुओं तथा पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था की गई।

राजस्थान दक्षिण पूर्व, कोटा प्रताप : शाखा द्वारा आयोजित बाल स्पन्दन संस्कार शिविर में आये 7-11 वर्ष के बच्चों को गायत्री मंत्र, प्राणायाम करवाय गया। मुकेश जाड़िक और रेखा जी ने योग कक्षाएँ सम्पन्न की। श्री पी. के.जैन, डॉ. गिरीश शर्मा ने बच्चों को सामूहिक जीवन संस्कार द्वारा जीवन में बदलाव का संदेश दिया। बच्चों ने अपना जीवन लक्ष्य, कविता, गीत प्रस्तुत किये। प्रथा विजय की गणेश वन्दना, जयश्री गोसनिया के निर्देशन में नृत्य की प्रस्तुति रोचक रही। रेखा, उषा, ज्योति, कविता, विजय, अंजली द्वारा प्रेरक गीत 'एक दिन भी जी मगर इंसान बनकर जी'। संचालन आशीष और रेखा ने किया।

बारां : प्रशासन द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रम में शाखा द्वारा जल पिलाने का कार्य किया गया। पराग टोगिया आदि प्रमुख रहे।

कोशी बिहार, सहरसा : सहरसा जिला, कोशी प्रान्त द्वारा विश्व योग दिवस मनाया गया। जिसमें जिले के सभी दायित्वधारियों ने भाग लिया। प्रभात भास्कर, प्रान्तीय अध्यक्ष, बब्बन कुमार पूर्व विधायक, संजीव झा, नीरज गुप्ता सहित शहरवासियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

हिमाचल प्रदेश पश्चिम, मनाली : शाखा द्वारा नववर्ष पर हिडिम्बा देवी मंदिर पर पूजन अर्चन तथा प्रशाद वितरण किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर स्लोगन लिखने की प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। सुलेख प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

तिलक : शाखा द्वारा केसरबाग रोड पर वृक्षारोपण किया गया। अजय कामले अध्यक्ष तथा महेश अग्रवाल सचिव द्वारा वरिष्ठ सदस्यों एवं बच्चों के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया गया।

Karnataka South, Bhargava Shakha-Udupi : K.V.Narahari, returning officer declared elected K.R.Upadhyaya, Shri S. Haridas Nayak and Venkatesha Mehendale as the President, Secretary and Treasurer of the branch. K.V.Narahari discussed about Dr.Suraj Prakash, Founder of Bharat Vikas Parishad.

Vidyaranya : The branch organized free dsitribution of note books to students of Sharada Educational Institution and Vidyaranya Vidya Samsthe, Vijayanagar, Bangalore on 16th June 2017 in separate functions attended by the students and staff of the schools and members of the branch.

Rajasthan South, Banswara :The branch inaugurated a cold water hut at Mohan colony circle. Vinod Shah, S.L. Seth, Anita Jain and others cooperated for it.

Haryana North, Panchkula : The branch celebrated 'International Anti Tobacco Day & No Smoking Day' on 31 May, 2017. Poster paint competition as well as an awareness rally of school students was organized to enlighten the people about de-merits of tobacco and making R.P.Malhotra, Vice President was convener of this function.

Assam, Patherkandi : The branch organized "World Environment Day on 5th June, 2017. 50 saplings were planted in Baitakhal School. An awareness meeting was organized on Environment. Mr. Kunjeshwar Singha discussed various environment issues with students, residents and members of Parishad. Simultaneously an Art competition was organized. Swali Bhattacharya, Anima Chanda, Apurba Dey were the judge and awarded participants.

Birjhora : Pradip Kumar Das, branch Secretary shared that 3rd Internation Day of Yoga was celebrated under guidance of two Patanjali trained teachers. Pranayam, meditation & Yoga benefits were explained.

Mumbai, Malad West : To spread education among the rising stars of our nation, Malad West Branch distributed stationery. The branch distributed 7500 dozen books at 12centers in area of Goregaon, Malad, Kandivali, Virar, Vangani. The branch members, ladies & Yuva wins participated in this movement.

Punjab East, Sunam (SUS) : Three days Yoga Camp organized wef 18-21 June, 2017 to celebrat international Yoga Day. Yoga Expert Rajender jain and his team shared valiable information about Yoga.

Mohali : Branch donated school bags, stationary, pen and pencils to students of govt. primary school. 150 students were benefitted. 4 ceiling fans were also donated under Sewa Project. Shri Gurdip Singh, Madanjit Singh, Ashok Jha delivered thoughtful speeches. Mr. A.R. Kumar, D.R.Modi and Vijay Dhawan graced the occasion.

Haryana North, Panchkula : Bal Sanskar camp was organized by Suraj and Panchkula branch. 56 students attended the camp. Girls from Balika Vikas Kendra also attended the camp. Moral education, storytelling, painting and antakshari, health and hygiene were introduced in interesting way. Group dance, shloka's competition was also organized. - Report V. Mohini

Haryana South, Faridabad : In a remote village of Neemka, BVP branch organized a *Mega Medical Checkup Camp*. 253 patients were checked up and medicines were distributed free of cost. Diabetes and BP patients were educated by expert doctors. Raj Kumar Agarwal regional secretary organization warned all the patients to a regular checkup.

Delhi North, Panchdeep : A tour to Himachal Pradesh was organized by Panchdeep branch, Delhi North Prant wef. 23.06.2017 to 27.06.2017. Dharamshala, Meelodganj, Chamunda Devi and Jwala Devi etc. were part of this trip. A total number of 20 families were participated in this education trip about Himachal Pradesh. Ramesh Rathee, Brijesh Gupta, V.S.Bhatnagar, B.S.Katadia etc. participated.

Delhi Central, West Patel Nagar : The branch celebrated International Yog Diwas in Patel Park, West Patel Nagar in association with Bhartiya Yog Sansthan. About 200 people attended the programme. Jagadish Anand, Chief Advisor BVP Delhi Central, Girish Khatter, Subhash Manocha, General Secretary BVP Delhi State Central, Joginder Singh & other attended the programme. A quiz based on body science question was also organized and gifts were distributed. Followed by snacks & juices base refreshment to all participants.

Chandra Shekhar Azad Branch : With special efforts of ex. president & secretary of Unnao branch, Uttarpradesh i.e Ram Taneja and Ajeet Pal Singh 'Chandra Shekhar Azad, 3rd branch of Unnao was opened on 1st July 2017. A total 60 members took oath. The branch is named at legendry freedom fighter. To commemorate this occasion, during installation ceremony, 51 plantation of saplings were planted. G.S.Bhadouriya, Dr. Prabhat Sinha and Rajesh Bhasti were elected as president, secretary & treasurer, respectively. S.C.Srivastava, Gen. Secretary graced the occasion. Radhey Shyam Gupta Agrahari, Ramesh Mehrotra, the president prant were also present.

Panchal Farrukhabad: 37th branch of Brahmavart Prant was installed as "Panchal" (Farrukhabad). 51 Saplings of plants were planted in school. The charter was handed over to the new team of Panchal branch headed by Kanhaiyalal Jain, the newly elected president, Ramesh Mehrotra, Prant President, S.C. Srivastava General Secretary, A.P. Kaushal, Organising Secretary, along with eminent personalities were present on the occasion.

Prayag, Allahabad : 'Sanskar' branch organized *Yoga Camp* in association with Chinmaya

Mission. Swami Yogisthanand of mission graced the occasion and explained yogic importance in daily life.

Musafirkhana, Amethi (U.P.) – A new branch "MUSAFIRKHANA" opened in an unrepresented Distt. Amethi of Uttar Pradesh (NCR) in the presence of R.B. Srivastava National Additional Secretary General. 27 members including the chairman, town area have taken oath. Plants of peepal and bargad were planted in the camps of town area. This branch was opened with special efforts of Mukesh Agrahari, Distt. Convenor of Amethi district. District convenor of unrepresented neighboring districts were also invited at this occasion i.e. Jagdishpur & Gauriganj.Brahma Nand Peshwani, National Secretary, Naveen Srivastava, Dr. H.C. Gupta, Nisha Jaiswal were also present.

Jharkhand : P.K. Ambasta, National Secretary informed that 'Saral Samuhik Vivah' of 51 couples was organized. Bharat Vikas Parishad Jharkhand prant activity participated and donated to 'Samanvay Manch' programme. Sarala Sinha, Dr. Dwivedi, Dr. P.K.Sinha, Er. G.N.Singh, Er.H.P. Bhagat & other contributed and participated to this Sampark noble cause.

Odisha Prant at a Glance: Bhubaneshwar branch and Sambhalpur branch organized *World Environment Day* by organizing a seminar on people's contact with nature and bio diversity. Dr. Satyendra Mishra HOD life science & talked about preserving bio diversity by age old methods instead of going hi-tech.

Abhinav cutlack members visited a Kanyashram at Koruan distributed 100 towels to the inmates, Baula Bedan at Bar trees were planted at Harihar temple premises. Bhubaneshwar central branch collected 20 unit of blood at Barmuda Park. CVR Subudhi deserves appreciation Rourkela branch, Chandra Shekharpur branch celebrated Bajo Poda Peeth, Bhagwat Path and traditional Rajo Geet. Smt. Jyotisana Patra graced the celebration Heerakhand Navrangpur Tiltlagarh organized yoga camps. Central Bhubaneshwar branch at its skill training centre conducted blood donation camp collected 54 units blood. Secretary Smt. Sangita Das and team of Red Cross, capital hospital cooperated through medical team. J.M.Patnayak president and Geeta Patnayak National Secretary S.N.Panda ji were present.

Puri : The branch observed environment day and planted tree on road side near central school. Branch president S.J.Padennav Panda Smt. Supriti Rath and many others participated in the event.

Nayagarh : The branch observed plantation day on foundation day. Information Commissioner was the chief guest.

Tripura, Udaypur : In the state of Tripura a branch was installed in the name of Udaypur. It was addressed by Swadesh Ranjan Goswami additional secretary general of north eastern regional. Jagadinduda congratulated on this occasion. A branch at Kailash Shahar was installed by Prant president Dhirendra Kalai and Ratan Sutradhar Treasurer of the state.

Mizoram, Aizawl : One week of *Yog Camp* was successfully conducted in Aizawl. Yog teacher Dilasha Jain was very much appreciated by bvp office bearers. Dr. Rajendra regional patron presented a shawl to Dilasha Jain.

Inspiring News from North East: Shri Arun Bhagwat of Bogaigaon has proposed to donate a land of 2000 sq. feet. It is a good news for Birjhora branch. The land registered and permitted by district administration. A double story building will start & construct soon.

North Gujarat, Patan : The branch organized an annual function at Balaji party plot. Shri Ranchodbhai Desai, Devdattbhai Jain, Shri Ajay Bhai Joshi remained present at the function.

Visnagar : Has installed its 17th branch at Visnagar in district Mehsana. Honble Saint Chaitanya Shambhu Maharaj and Jagdish Bhai Rana regional secretary were present. The team is headed by Dr. Rupesh Bhai Shah (P), Dr. Jayesh Bhai H.Shukal (S) and Shri Mahender Bhai shah

(Treasurer) with Smt. Poornima Shah Mahila Convenor.

Gujarat Central, Bapunagar: On 25th June 2017 arranged a programme to deliver Prasad & buttermilk to the people visiting temple for Darshan of Dwarkadhishji and enjoying 'Rathyatra' arranged by Jagannath Temple, Ahmedabad. It has been distributed to approx. 1000 people.

Mumbai, Malad : Distributed 2500 dozen long and short note book to the students of govt. schools in the area of Goregaon, Malad, Kandivai, Virar, Vangan. The branch member ladies and youths participated in full swing.

Goa, Panaji : Installation ceremony was held in august presence of Dr. Suresh Gupta, National Vice President, Dr. Pundalik Pai Kakode, Goa Prant President, the foundation was attended by 50 people. Kamlesh Amlani, Raghuvir Mahale, Shantaram Naik, have taken oath for the president secretary & treasurer respectively.

Kerala & Lakshadweep, Ernakulam : P. Venkatachalam, State president Kerala & Lakshadweep informed that a blood donation camp organized at Ernakulam Kerala. The camp was inaugurated by Mr. M.C. Prabhakar, Dr. Sarita Prabhakar and representatives of IMA, Ernakulam. There were 62 registrations but only 50 unit blood was collected.

भारत विकास परिषद् 'स्थापना दिवस'

10 जुलाई 1963 का था दिन पावन
भारत विकास परिषद् का हुआ गठन
सम्पर्क, सेवा और समर्पण से
शुचि संस्कारों का था बीजारोपण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः
जन मंगल हेतु यह ध्येय था हमारा
भाव बने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का
इस सोच को सर्वत्र बढ़ाना था

युगों युगों तक हिन्द देश
देता था 'संस्कारो' संन्देश
तभी तो विश्व के मन भाया
'सोने की चिड़िया' कहलाया

पाश्चात्य अन्धानुकरण से
जीवन मूल्यों को ग्रहण लगा
देश के नैतिक जीवन ने
पतन गर्त में कूच किया

स्वामी विवेकानन्द की पुनीत सोच
फिर बनी थी हमारी प्रेरक स्रोत
आदर्श मूल्यों को किया प्रशस्त
राष्ट्र को मिला जीवन उन्नत

थी सूरज प्रकाश जी की सूझबूझ
बने परिषद् के संस्थापक
राजनीति से सदा रहित
पावन संस्कारों से ओत प्रोत

संस्कारों से च्युत न हो जायें
यही सोच महाजनों का था
जो विरासत दी पूर्वजों ने
उसे फिर से हमें संजोना था

अमीर गरीब को भेद न हो
जाति पांति का वैमनस्य न हो
वर्ग विहिन समाज सृजित हो
यही दृढ़ संकल्प हमारा हो

साथ इसी विश्वास, आस्था के
विकास परिषद् अवतीर्ण हुई
सम्पर्क, सहयोग के माध्यम से
नित प्रगति पथ पर दौड़ चली

आओ हम सब मिल जुल जायें
संस्कारों की नूतन सरिता बहायें
कर्मठता से हिय जुड़ जायें
'विश्व गुरु' फिर से कहलायें

–डॉ. बसन्ती हर्ष,
बीकानेर

बड़ा सोचो, जरा हट के सोचो

जीवन में आगे बढ़ना है तो अपनी सोच को बड़ा रखिए क्योंकि सोच बड़ी होगी तो सपने भी बड़े होंगे और आपके हौंसले भी बड़े होंगे। हममें से काफी लोग जब बड़े सपने, बड़ी सोच रखने की कोशिश करते हैं तो हमारे दिमाग में कुछ ऐसे सवाल आते हैं-

1. **बड़ी सोच क्यों जरूरी है, इसके फायदा क्या है?**
2. **मुझसे नहीं होगा, मेरे बस की बात नहीं है।**
3. **यार लोग क्या कहेंगे, ''सबसे बड़ा रोग - क्या कहेंगे लोग''**

चलिए इन बिन्दुओं पर बारी-बारी से बात करते हैं-

1. **बड़ी सोच क्यों जरूरी है** - आपको याद होगा, बचपन में एक चित्रकारी का विषय होता था, जिसमें कोई चित्र बना होता था और हमें उसके अन्दर रंग भरना होता था। अगर रंग लाइन से बाहर निकल जाता था तो मार्क्स भी कटते थे और डाँट भी पड़ती थी। दोस्तों हमने अपने जीवन को भी कुछ वैसे ही बना लिया है, अपने चारों ओर एक छोटी सोच की सीमा (Boundary) को अपनी जिन्दगी मान लिया है। हम जोखिम नहीं लेते और उसी दायरे में हम पूरी जिन्दगी काट लेते हैं। वैसे कोई व्यक्ति अपनी सीमा को तोड़कर, जोखिम उठा कर कुछ बड़ा करता है तो हम उसे देखकर बड़े खुश होते हैं - वाह वाह, क्या बात है, बंदा आज कहाँ से कहाँ पहुँच गया, लेकिन खुद कभी अपने दायरे से बाहर नहीं निकल पाते। खुद को हमने सीमित बना लिया है। उस दायरे को तोड़ना है तो बड़ी सोच रखनी होगी, बड़े सपने देखने होंगे।

   इसका फायदा क्या है - दोस्तो आपका जो दिमाग है ना, वो आपकी सोच के हिसाब से ही आपको समाधान बताता है। मान लीजिये आपको नदी पार करनी है तो आपके दिमाग में उसे पार करने के लिए क्या समाधान आएगा- ''नाव'' चलिए अब सोचिए आपको समुद्र पार करना है तो मन में क्या समाधान आएगा- 'पानी का जहाज यानि शिप''।

   मतलब जैसी आपकी सोच होती है वैसे ही हमारा दिमाग हमें समाधान देता है। तो बड़ी सोच का सबसे बड़ा फायदा यही है कि आपको बड़े-बड़े समाधान मिलने शुरु हो जाएंगे।

   बड़ी सोच का दूसरा फायदा ये है कि आप कहीं ना कहीं अच्छी जगह पहुँच ही जाते हैं। मान लीजिए आपने सोचा की वर्ल्ड का सबसे बड़ा डॉक्टर बनना है, तो अगर आप वर्ल्ड के सबसे बड़े डॉक्टर नहीं बन पाये तो इण्डिया के ही सबसे बड़े डॉक्टर बन जाएंगे, इण्डिया के भी नहीं बन पाये तो कम से कम अपनी सिटी के ही सबसे बड़े डॉक्टर बन जाओगे और अगर सिटी के भी नहीं बन पाये तो अपने नगर या जिले के ही बड़े डॉक्टर बन जाओगे। लेकिन अगर आपने सोचा कि मुझे तो बस छोटा मोटा डॉक्टर बनना है तो आप नगर या जिले के तो क्या, अपनी गली के भी बड़े डॉक्टर नहीं बन पाओगे, हमेशा एक छोटे मोटे ही बने रहोगे।

   तीसरी बड़ी सोच का फायदा ये है कि अगर आप कल कोई बड़े इंसान बन गए तो लाखों लोगों के घर में आपकी वजह से रोटी पहुँचेगी। अगर आप बड़े सिंगर बन गए तो लाखों लोगों का मनोरंजन करोगे, बड़े डॉक्टर बन गए तो लाखों लोगों की जिंदगी बचाओगे, अगर बड़ी फैक्ट्री के मालिक बन गए तो लाखों लोागें को आपकी वजह से खाना मिलेगा, लाखों लोगों को आपकी वजह से रोजगार मिलेगा।

2. **मुझसे नहीं होगा, मेरे बस की बात नहीं है** - हमेशा याद रखिए, हर इंसान जो आज सफल है उसने भी कभी बहुत छोटे से ही शुरूआत की थी। हर बड़े काम की शुरुआत छोटे से ही होती है। बिल गेट्स ने अपने घर के पीछे वाले कमरे से बिजनिस शुरु किया और आज वर्ल्ड की सबसे बड़ी कम्पनी माइक्रोसाफफ्ट की स्थाना की। हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ऐ.पी.जे.अब्दुल कलाम, बचपन में रोज सुबह अखबार बाँटने जाया करते थे ओर बाद में दुनिया के बड़े वैज्ञानिक बने। इन लोगों की शुरूआत चाहे छोटी थी लेकिन सोच हमेशा बड़ी थी। ऐसा नहीं है कि इन लोगों को कभी डर नहीं

लगा होगा, या कभी हतोत्साहित नहीं हुए होंगे, इनको भी डर लगा होगा, इनको भी मंजिल मुश्किल लगी होगी, लेकिन डर के आगे जीत है।

3. **यार लोग क्या कहेंगे? ''सबसे बड़ा रोग-क्या कहेंगे लोग''** – हमारे आस पास के माहौल में हमें बहुत सारे लोग ऐसे मिल जाएंगे जो बोलते होंगे –

- तेरे बस की बात नहीं है
- शक्ल देखी है अपनी
- भाई इतना आसान नहीं है।
- अपने मार्क्स देखे हैं कोई नौकरी पे भी नहीं रखेगा।

तो दोस्तों मैं आपसे एक सवाल पूछना चाहता हूँ कि आपको इन लोगों पे ज्यादा विश्वास है या खुद पे? आप खुद को बेहतर जानते हो या ये लोग आपके बारे में ज्यादा जानते हैं? आप अपनी जिन्दगी अपनी तरह से चलाना चाहते हो या इनकी तरह से?

ये जिन्दगी आपकी है, जिन्दगी दोबारा चांस नहीं देती, ये कोई रिहर्सल नहीं चल रही, जिन्दगी है जो समय आपने गवाँ दिया वे चला गया। जब आपके अन्दर पूरी क्षमता है, आप पूरी तरह सक्षम हैं तो क्यों खुद को इन लोगों की वजह से पीछे रखे हुए हो? लोगों का काम है कहना।

दोस्तों जरा याद करो जब हम छोटे थे तब भी हमारे कुछ सपने थे, लेकिन वो सपने आज कहीं दब कर रह गए, हम पूरे नहीं कर पाए। अब सोचिए आज जो आपके सपने हैं, जो आपके मुकाम हैं अगर वो हासिल नहीं हो पाये तो आज से 10 साल बाद आपको कैसा लगेगा।

तो दोस्तो आपको आज से ही बदलना होगा, आज से ही सोच बड़ी करनी होगी। –**साभार संकलन**

डॉक्टर डे - कुछ प्रेरणा

प्रेरणा–1 : वोदा के पिछेड़ शहर में एक वैद्य थे भवानी दत्त शास्त्रीं 60 साल से उनके दवाखाने में भीड़ लगी रहती थीं जाने क्या जादू था वैद्य जी के हाथों में। अदरक का रस और शहद के साथ तीन दिन की दवा देते थे। क्या मजाल कोई मरीज तीन दिन के बाद लौट कर आवे। कोई शुल्क नहीं।

प्रेरणा–2 : चित्रकुट के लोड़वारा के वैद्य मरीज के बारे में कभी पूछते ही नहीं थे। नाड़ी पर हाथ रखा कि मर्ज का लक्षण कब से है।, क्या परेशानी होती है, सब धारा प्रवाह बताते थे। दवाखाना घर पर ही थां वैद्य जी देवी की पूजा करने के बाद मरीज देखते थे।

प्रेरणा–3 : सहारनपुर के रामपुर मनिहारन के हकीम, स्वभाव बहुत अच्छा था। दवा के साथ दुआ भी देते थे। कभी कुरान की आयत लिखकर दे देते थे।

प्रेरणा–4 : उरई के डॉ. रमेश चन्द्रा और डॉ. रेनू चन्द्रा ऐसा कर्म योगी डॉक्टर दम्पत्ति नहीं देखा। नीचे दवाखाना, ऊपर निवास। निस्प्रह भाव से मरीजों की सेवा लगे। डॉक्टर दम्पत्ति मरीजों के साथ व्यायाम, साधना भी करते थे।

प्रेरणा–5 : डॉ. आशुतोष वाजपेयी सर्जन। डॉ. वाजपेयी कानपुर के मधुराज रीजेंसी और आर.के.देवी नर्सिंग होम के साथ अपना एक छोटा-सा क्लिनिक भी चलाते थे। उन्होंने किसी मरीज का ऑपरेशन पैसे के कारण नहीं रोका।

आज इस पवित्र व्यवसाय में आई सड़ान्ध के बीच हमें गर्व करने लायक कुछ बातायन है। – **रमेश शंकर मिश्रा**

मनुष्य वह प्राणी है जो अपने विचारो से बना होता है, वह जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है।

श्रद्धांजलि

1. **चण्डीगढ़ पश्चिम-2, चण्डीगढ़ :** शाखा के माननीय सदस्य श्री डी.डी.जोश के सुपुत्र श्री नरेश जोशी का 7 मई, 2017 को एवं श्री अशोक गर्ग के आदरणीय पिता श्री रोशन लाल गर्ग जी का 10 मई, 2017 को आकस्मिक निधन हो गया।
2. **कोलकाता, पश्चिम बंगाल :** शाखा के कोषाध्यक्ष राजेश पौद्दार जी की पूज्य माता जी का निधन हो गया।
3. **मुम्बई (महारष्ट्र) :** परिषद् के राष्ट्रीय महालेखाकार श्री सम्पत खुरदिया जी की पूज्यनीय माता श्रीमती मदन देवी खुरदिया का उनके पैतृक गाँव हिरण मगरी, उदयपुर (राजस्थान) में 7 जून, 2017 को निधन हो गया।
4. **संस्कार जसवन्तनगर-इटावा (ब्रह्मावर्त) :** शाखा सदस्य नरेन्द्र वर्मा की पूज्य माता तथा शाखा संरक्षक करन सिंह वर्मा की पूज्यनीय माता का निर्धन हो गया।
5. **इटावा :** शाखा सदस्य श्री आनन्द चौधरी की पूज्य माता जी का आकस्मिक निधन हो गया।
6. **समर्पण-जसवन्तनगर :** शाखा सदस्य श्री उमाकान्त श्रीवास्तव की धर्मपत्नी का निधन हो गया।
7. **कन्नौज :** शाखा सदस्य अनूप केलकर के पिता जी का 8 जून, 2017 को निधन हो गया।
8. **गोविन्द कानपुर :** शाखा सदस्य सुरेन्द्र खन्ना जी के भाई रमन खन्ना जी का निधन हो गया।
9. **बहरोड़ (राजस्थान उत्तर पूर्व) :** श्री वीरेन्द्र प्रजापति प्रान्तीय कोषाध्यक्ष के पूज्य पिता श्री मनोहरलाल प्रजापति का निधन हो गया।
10. **दुर्गादास राठौर-बाड़मेर (राजस्थान पश्चिम) :** शाखा के सदस्य श्री कैलाश राठी के पूज्य पिता श्री दयाराम राठी जी का 10 जून, 2017 को निधन हो गया।
11. **टोहाना (हरियाणा पश्चिम) :** शाखा संरक्षक की माता जी श्रीमती प्रकाशवती का निधन हो गया।
12. **जनकपुरी सी-2, दिल्ली पश्चिम :** देवराज महाजन संस्थापक सदस्य एवं शकुन्तला मोहिनी शर्मा पत्नी राजेन्द्र शर्मा का दुखद निधन हो गया।
13. **दिल्ली मध्य** के परामर्शदाता कपूर चन्द गोयल का निधन हो गया।
14. **देहरादून, उत्तराखण्ड पश्चिम :** पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष एस.एस. कोठियाल की पत्नी श्रीमती सुशीला कोठियाल का निधन हो गया।
15. **Faridabad, Haryana South :** Smt. Kaushalya Devi m/o. Shri Surinder Kr. Bansal & Amar Bansal Chharia passed away on 15th May, 2017.

बोध कथा

नम्रता

स्वयं को बड़ा ज्ञानी समझने वाले एक युवा संन्यासी ने एक बार भगवान बुद्ध से भेंट होने पर पूछा था – 'तुम कौन हो तपस्वी?' 'अपनी देह और मन पर पूर्ण अधिकार वाला तुच्छ मनुष्य' बुद्ध ने उत्तर दिया। अहंकारी बोला' 'समझ नहीं आया उत्तर' तब बुद्ध ने समझाया – जैसे कुम्हार घड़े बनाता है, माझी नौका चलाता है, गायक गीत गाता है, विद्वान विचार-विमर्श करता है, उसी तरह ज्ञानी पुरुष स्वयं पर शासन करता है।

इस पर अभिमानी युवक ने कहा – 'ज्ञानी पुरुष भला स्वयं पर शासन कैसे कर सकता है?'

'ज्ञानी पुरुष प्रशंसा या निंदा से विचलित नहीं होता, उसके चित्त में शान्ति की धारा बहती है' – बुद्ध ने कहा – 'इसलिए वह स्वयं का शासक होता है'। अभिमानी युवक को बात समझ आ गयी और उसने कहा – 'आज आपने मुझे ज्ञान का पहला पाठ सिखाया है' 'हाँ नम्रता ज्ञान का पहला पाठ है' बुद्ध ने मुस्कुराते हुए कहा।